जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 69 प्रभात कोटा, गुरुवार 22 दिसम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

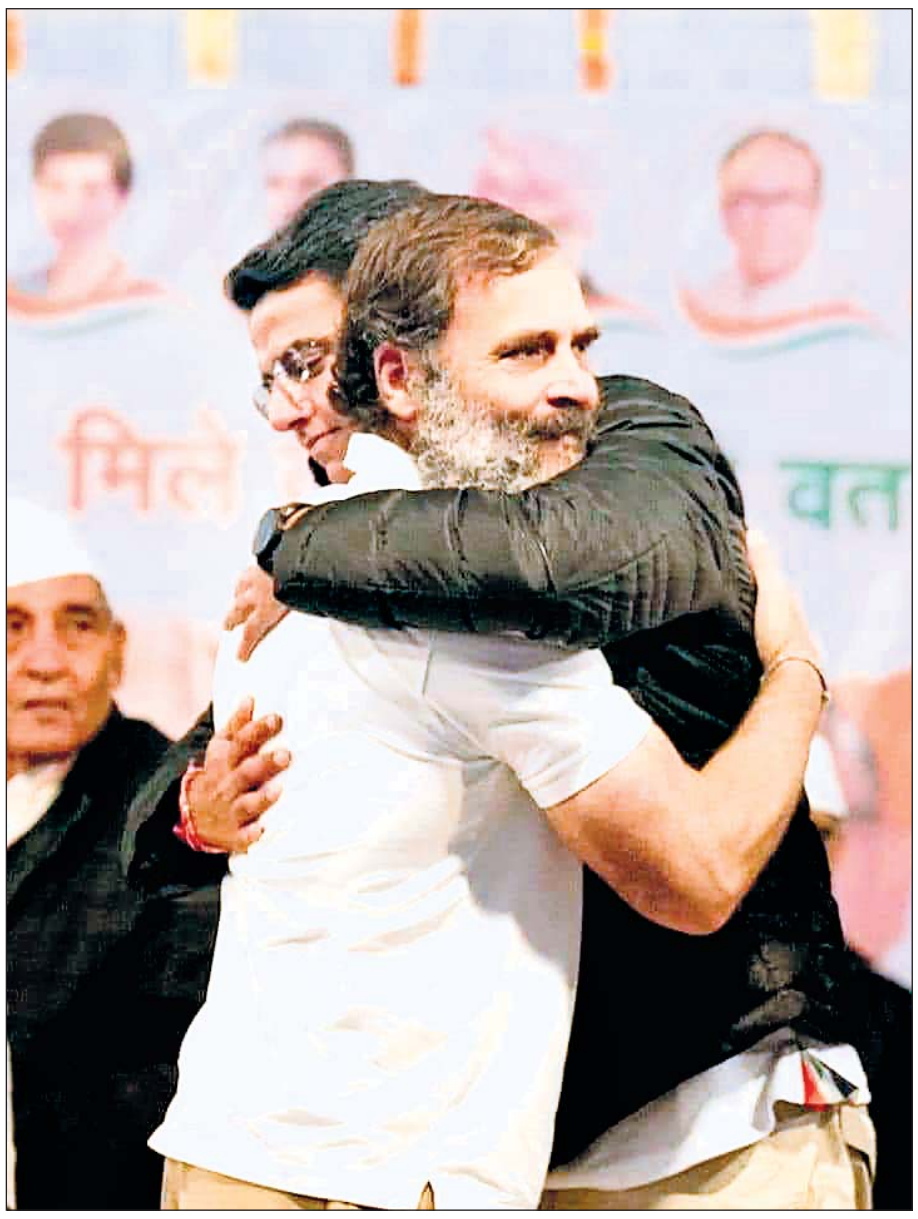

"भारत जोड़ो यात्रा" के राजस्थान से विदाई के अवसर पर नूंह (हरियाणा) में राहुल गांधी ने सचिन पायलट को गले लगा लिया। इसके बाद पायलट दिल्ली रवाना हो गये।

राजस्थान के आतिथ्य से खुश राहुल गांधी बोले "राम राम सा"

ये वही शब्द हैं, जो राजेश पायलट से लेकर सचिन पायलट रोजाना बोलते रहे हैं

- राजस्थान के नेताओं को विदा करने के साथ राहुल गांधी ने सभी के साथ फोटो खिंचाई, लेकिन सचिन पायलट वह नेता हैं जिनसे गले मिलकर राहुल गांधी ने अपनापन दिखाया
- राहुल गांधी द्वारा पायलट को गले लगाकर अपनापन दिखाने के राजनैतिक हलकों में अलग -अलग मायने निकाले जा रहे हैं।
- आज बुधवार सुबह भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से हरियाणा में प्रवेश कर गई और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हूडा को तिरंगा झंडा सौंपा।

नूंह/ हरियाणा, 21 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने 104 वें दिन हरियाणा के नूंह जिले में प्रवेश किया। यहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की मौजूदगी में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को तिरंगा झंडा सौंपा। इसी के साथ राजस्थान में यात्रा को मिले शानदार समर्थन से अभिभूत राहुल गांधी ने राजस्थान को धन्यवाद देते हुए लिखा, "वीरों की भूमि म्हारा राजस्थान पर मिले अभूतपूर्व समर्थन के लिए मैं तहे दिल से राजस्थान के लोगों का आभार जताता हूं। राम राम सा।" गौरतलब है कि राजस्थान में राम राम सा बेहद आम है और राजेश पायलट भी यही बोलते थे और सचिन पायलट भी यही शब्द बोलते हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुधवार सुबह 6 बजे राजस्थान से हरियाणा में दाखिल हुई। अलवर में हरियाणा बॉर्डर पर हुए कार्यक्रम में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से कहा कि राजस्थान में मंत्री महीने में एक बार 15 किलोमीटर पदयात्रा करेंगे। यह मॉडल कांग्रेस शासित हरेक राज्य में लागू किया जाए। राहुल गांधी बोले कि "मुझे खुशी हुई कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष ने फैसला किया है कि राजस्थान के सब मंत्री, नेता महीने में एक बार 15 किलोमीटर पैदल चलेंगे, अर्थात पदयात्रा करेंगे। जनता के बीच जाकर उनकी सुनकर काम करेंगे। मैं खड़गे जी से कहूंगा, मेरा सुझाव है कि जहां भी कांग्रेस की सरकार बने हमारी कैबिनेट के मंत्रियों, विधायकों और नेताओं को महीने में कम से कम एक दिन इन सड़कों पर चलना चाहिए। धक्के खाने चाहिए, गिरना चाहिए, घुटने छिलने चाहिए।" इसके आगे राहुल गांधी बोले कि "जैसे आज सुबह से मुझ में कोई थकान नहीं है, वैसे ही शाम को मेरा चेहरा देखना, कोई थकान नहीं होगी। यहां राजस्थान के नेता बैठे हैं। अशोक गहलोत, गोविंद डोटासरा, सचिन पायलट, हरीश चौधरी बैठे हैं। इनका चेहरा देखिए। ये 17 दिन तक रोज 25 किलोमीटर चले हैं, इन्होंने हाफ मैराथन दौड़ी है, लेकिन इनके चेहरों पर कोई थकान नहीं है। हम अपनी शक्ति से नहीं आपकी मोहब्बत की शक्ति से चल रहे हैं। आपने इसमें पूरी शक्ति डाल दी।"

हरियाणा में प्रवेश के बाद राहुल गांधी ने राजस्थान के तमाम नेताओं के साथ में एक फोटो सैशन किया। इस फोटो सैशन की खासियत यह रही कि जहां सभी नेताओं के साथ राहुल गांधी ने हाथ मिला कर फोटो खिंचवाए, वहीं एकमात्र सचिन पायलट ऐसे नेता रहे, जिनके साथ राहुल गांधी ने गले मिलकर अपनापन जताया और फोटो क्लिक कराया। हालांकि राजनीतिक भाषा में इसे अलग-अलग तरीके से पेश किया जा सकता है, लेकिन जिस तरह से राहुल गांधी ने सचिन पायलट को गले लगाया और सचिन पायलट के साथ अपनापन जताया, वह कुछ अलग ही कहानी बयां कर रहा है।

चीन से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने की मांग

विधायक कालीचरण सराफ ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को इस बारे में पत्र लिखा और अग्रिम धन्यवाद पत्र भी लिखा

- विधायक सराफ ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर मांग की है कि चीन और भारत के बीच अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें जारी हैं, इसलिए यहां कोविड संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है।
- चीन में प्रतिबंधों में ढील के बाद करोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है, जिससे दुनिया के सभी देश चिंतित हैं और उचित कदम उठा रहे हैं और निकटतम पड़ौसी देशों होने की वजह से भारत में ज्यादा चिंता है।

जयपुर, 21 दिसम्बर (का.सं.)। मालवीय नगर विधायक एवं पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को, पड़ोसी देश चीन में उत्पन्न करोना की भयावह स्थिति के कारण चीन से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगाये जाने बाबत पत्र लिखा।

सराफ ने "पत्र में कहा है, इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान हमारे पड़ोसी देश चीन में उत्पन्न करोना की भयावह स्थिति की ओर दिलाना चाहूंगा। विगत कुछ समय से चीन में करोना वायरस की वजह से हालात निरंतर बिगड़ते जा रहे हैं। वहां प्रतिबंधों में दी गई ढील के बाद करोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। इतना ही नहीं, वहां इस बीमारी से मरने वालों की संख्या में भी भारी इज़ाफा हुआ है। ज़ीरो कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद वहां हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि करोना मरीजों को इलाज हेतु अस्पताल में बैड्स उपलब्ध नहीं हो रहे हैं तथा दवाईयों की भी भारी किल्लत हो गई है। इलाज के अभाव में बड़ी संख्या में मौतें हो गई हैं। जिनके अंतिम संस्कार के लिए भी वेटिंग चल रही है। चीन में केरोना के बिगड़ते हालात पर विश्व के सभी देश चिंतित हैं। पड़ोसी देश होने की वजह से भारत की चिंता और बढ़ जाती है और भारत के नागरिकों में भी चिंता एवं भय व्याप्त है। चूंकि करोना अत्यधिक संक्रमण महामारी है तथा चीन - भारत के बीच अंतर्राष्ट्रीय हवाई उड़ानें निरंतर जारी हैं जिनमें बड़ी संख्या में चीन से नागरिकों की आवाजाही हो रही है, ऐसे में हमारे देश में भी करोना संक्रमण का अत्यधिक खतरा बना हुआ

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अब 6-जी लाने की तैयारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। भारत में इंटरनैट की 5 जी सेवा शुरु हुए अभी दो माह भी नहीं हुए कि दूरसंचार विभाग 6 जी तकनीक को प्रोत्साहन देने की शुरुआत कर रहा है। दूरसंचार राज्यमंत्री देवुसिंह चौहान ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विभाग ने 6 जी के लिए एक नवम्बर 2021 को एक टैक्नॉलजी इनोवेशन समूह बनाया था, जो देश में 6 जी के लिए शेडमैप व एक्शन प्लान बनाएगा।

- अभी 5 जी आए हुए दो माह भी नहीं हुए कि, भारत सरकार ने 6 जी लाने पर जोर देना शुरु कर दिया। लोकसभा में संचार राज्यमंत्री देवूसिंह चौहान ने यह जानकारी दी।

ग्रुप में 6 टास्क फोर्स होंगी, जिसमें उद्योग, शिक्षा, आर एण्ड डी संस्थान और सरकार के सदस्य होंगे। ये 6 टास्क फोर्स हैं। मल्टी डिसीप्लीनरी इनोवेटिव सलूशन्स, मल्टीप्लेटफॉर्म नैक्स्ट जनरेशन नैटवर्क्स, स्पैक्ट्रम फॉर नैक्स्ट जनरेशन रिक्वायरमैंट, डिवाइसेज, इंटरनैशनल स्टैंडर्ड कॉन्ट्रीब्यूशन, और रिसर्च डिवलपमैंट। मंत्री ने कहा कि भारत 6 जी विज़निंग कवायद में इंटरनैशन टैलीकम्युनिकेशन्स यूनियन की भी मदद कर रहा है।

'कोविड के सारे नियम कायदों का सख्ती से अनुसरण करें या यात्रा रद्द करें'

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर चेतावनी दी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मन्डाविया ने एक दिन पहले राहुल गांधी से कहा था कि कोविड संबंधी सावधानिया बरतें, या फिर इस समय चल रही भारत जोडो यात्रा को निलंबित कर दें। इसके एक दिन बाद ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने सूचित किया है कि भारत में अत्यधिक संक्रामक बीएफ.7 ऑम्रिकोन वैरिएन्ट के तीन केस मिले हैं। इनमें से दो गुजरात में तथा एक ओडिशा में पाया गया है।

मूलत: चीन से शुरु हुआ यह नया कोविड वैरिएन्ट, जिसकी संक्रमण क्षमता सर्वाधिक बताई जाती है, अब तक कई देशों में मिल चुका है जिनमें अमेरिका, इंग्लैंड, दक्षिण कोरिया, ब्राजील तथा बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस एवं डेनमार्क जैसे यूरोपीय देश शामिल हैं।

नैशनल टैक्नीकल एडवाइज़री ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (एनटीएजीआई) के चेयरमैन डॉ.एन.के.अरोडा ने कहा है कि डरने की कोई बात नहीं हैं क्योंकि बड़े पैमाने पर फैले प्राकृतिक संक्रमण एवं वैक्सिनेशन के कारण भारत को हाईब्रिड इम्युनिटी का लाभ प्राप्त है। इसी बीच, कांग्रेस नेताओं ने राहुल को दी गयी मंडाविया की सलाह पर सवाल खड़े किये हैं तथा कहा है कि इस प्रकार का पत्र राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया को तो नहीं भेजा, जो राज्य में जन आक्रोश यात्रा निकाल रहे हैं।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस चेतावनी पर कटाक्ष करते हुए पूछा, "क्या भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया द्वारा राजस्थान में आयोजित "जन आक्रोश यात्रा" को भी ऐसा पत्र लिखा गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा है, "हवाई यात्रा के लिए मास्क तथा सैनिटाइज़र अनिवार्य नहीं किये गये हैं तथा सरकार ने सार्वजनिक आवागमन के लिए कोविड-19 से बचने के लिए सख्त अहतियातों की घोषणा अभी तक नहीं की है।" राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहे जनता के जबरदस्त सहयोग और समर्थन से भाजपा घबरा गई है।

कोविड-संबंधी तैयारी की समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करने के बाद, स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने आज कहा कि उन्होंने सभी संबंधित पक्षों को सचेत होने तथा निगरानी को मजबूत बनाने के निर्देश दे दिये हैं। उन्होंने कहा, "हम किसी भी स्थिति से निबटने के लिए तैयार हैं।" केन्द्र सरकार सभी राज्यों को ये निर्देश पहले ही दे चुकी है कि वे महामारी की चौथी लहर के खतरे को ध्यान में रखते हुए जीनोम सीक्वेसिंग को बढ़ाये। राज्य सरकारों को भेजे गये नोटिस में, स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा था कि पूरे दुनिया में 35 लाख कोविड केस प्रति सप्ताह की जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव केसों के सैम्पलों की समय जीनोम सीक्वेसिंग में तेजी लाना बहुत जरुरी है ताकि इंडियन सार्स-कोव-2 जिनोम कन्सोर्टियम के जरिए वैरिएन्ट्स का पता चल सके।

ट्विटर सी.ई.ओ. का पद छोड़ेंगे ऐलन मस्क

वाशिंगटन, 21 दिसंबर (वार्ता)। विश्व के जाने-माने व्यवसायी एलन मस्क ने बुधवार को कहा कि जैसे ही उन्हें उनकी जगह लेने वाला कोई मूर्ख व्यक्ति मिलेगा, वह ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे देंगे।

मस्क ने रविवार को एक पोल पोस्ट कर ट्विटर यूजर से पूछा था कि क्या उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मुख्य कार्यकारी के रूप में पद छोड़ देना चाहिए। बारह घंटे के मतदान के बाद सोमवार सुबह मतदान बंद हो गया,

- ऐलन मस्क ने खुद ट्विटर पर एक पोल के दौरान पूछा था कि, क्या उन्हें पद छोड़ देना चाहिये। ट्विटर पोल में अधिकतर यूज़र्स ने उन्हें पद छोड़ने की राय दी थी।

जिसमें 1.75 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं ने भाग लिया। लगभग 57.5 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने मस्क के इस्तीफे के पक्ष में मतदान किया, जबकि केवल 42.5 फीसदी ने इसके खिलाफ मतदान किया।

मस्क ने अपने ट्विटर पोल का जवाब दिया, जैसे ही मैं किसी को काम लेने के लिए पर्याप्त मूर्ख पाऊंगा, मैं सीईओ के पद से इस्तीफा दे दूंगा! उसके बाद, मैं सिर्फ सॉफ्टवेयर और सर्वर टीमों का नेतृत्व करूंगा।

वाड्रा के मुकदमे का निर्णय आज आयेगा?

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 21 दिसम्बर। जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ "मनी लॉड्रिंग" के आरोप के खिलाफ दायर याचिका पर तीन दिन तक सुनवाई के बाद न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने 22 दिसम्बर को अपना फैसला सुनाने के आदेश दिया है।

इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के.टी.एस. तुलसी पैरवी के लिये अदालत के समक्ष प्रस्तुत हुए थे। रॉबर्ट वाड्रा ने अदालत में एनफोर्समेंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा बीकानेर जिले के कोलायत में हुए जमीन खरीद के घोटाले के संबंध में दायर 'एनफोर्समेंट केस इनफॉर्मेशन रिपोर्ट' (ई. सी. आई. आर.) को रद्द करने की

- राजस्थान हाई कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई पूरी की और अपना निर्णय आज सुनाने की घोषणा की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

साउथ इंडिया में और आक्रामक हुआ चुनाव अभियान

तेलंगाना में मु.मंत्री की पुत्री व पुत्र को लक्ष्य बनाया है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। जहां उत्तरी भारत शीतलहर की चपेट में आता जा रहा है, वहीं दक्षिण भारत की राजनीति गर्माए जा रही है क्योंकि दृढ़ निश्चयी एवं ताकतवर भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक और तेलंगाना में अपना सर्वस्व झोंक रही है। ज्ञातव्य है कि दक्षिण भारत के इन दोनों राज्यों में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं।

जहाँ कर्नाटक चुनाव अगले वर्ष के पूर्वार्द्ध में होने हैं, वहीं तेलंगाना विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष के उत्तरार्द्ध में पूरा होगा तथा वहाँ उसी समय चुनाव होंगे। कर्नाटक में भाजपा का बहुत कुछ दाँव पर लगा है क्योंकि वहाँ दो प्रभावशाली वरिष्ठ नेताओं के दबाव के चलते, वह एक खलबली की स्थिति गुजर रही है। तेलंगाना में भाजपा ने एक उत्तेजनापूर्ण अभियान छेड़ रखा है तथा पार्टी कोई कसर नही छोड़ रही है। तेलंगाना की राजनीति, घटिया स्तर की भाषा तथा बहस- मुबाहिसों के चलते, एक अशिष्ट एवं अभद्र रूप ले चुकी है। घटिया किस्म की भाषा राजनैतिक भाषणों पर हावी हो रही हैं।

- पुत्र के. टी. रामाराव पर भाजपा ने आरोप लगाया कि "ब्लड टैस्ट" करायें यह साबित करने के लिए कि वे ड्रग्स नहीं लेते।
- के. टी.रामाराव ने पलटवार करते हुए कहा, मोदी व अन्य भाजपा नेता भी ब्लड टैस्ट करायें, ड्रग्स न लेने का सबूत देने के लिए।
- पुत्री के. कविता पर, दिल्ली शराब के ठेके आवंटित करने में हुए भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया है भाजपा ने, तथा ईडी की चार्जशीट में उनका नाम बताया जाता है।
- तमिलनाडु में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पर डी.एम. के. ने आरोप लगाया था कि, प्रदेशाध्यक्ष राजनीति में आने से पहले एक सरकारी अफसर थे, अतः उनके पास इतना पैसा कहां से आया कि, वे पांच लाख रुपये की घड़ी पहनते हैं।
- प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, वे घड़ी की खरीद की पूरी जानकारी देने को तैयार हैं, अगर मु.मंत्री स्टालिन, उनके पुत्र उदयनिधि तथा दामाद भी इस बारे में पूरी जानकारी दें कि उनके पास इतनी भारी संख्या में मंहगी घड़ियां कहां से आयी हैं कि वे हर सार्वजनिक आयोजन में नई घड़ी पहनकर आते हैं।
- कर्नाटक में आरोपों के मामले में भाजपा रक्षात्मक मुद्रा में है, क्योंकि एक ठेकेदार ने आत्महत्या की और सुसाइड नोट में लिखा कि, मंत्री ईश्वरप्पा, हर ठेके में 40 प्रतिशत कमीशन मांगते हैं और इसी कारण कांग्रेस ने वर्तमान भाजपा को 40 प्रतिशत कमीशन सरकार का नाम दे रखा है। परन्तु अब पूर्व मंत्री ईश्वरप्पा को इस भ्रष्टाचार के आरोप में क्लीन चिट मिल गयी है अतः वे पुनः मंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं तथा मंत्री न बनाने पर पार्टी को धमकी दे रहे हैं व दबाव बना रहे हैं।

भाजपा तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव के पुत्र और पुत्री क्रमशः के.टी. रामाराव तथा के. कविता दोनों पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है तथा यह मान कर चल रही है कि ऐसे आरोपों के चलते, उनकी छवि कुछ तो खराब होगी ही। जहाँ कविता पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि वे दिल्ली शराब घोटाले लिप्त रहीं हैं तथा इसका उल्लेख प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में भी किया गया है, वहीं भाजपा नेता बाँदी संजय ने के.टी. रामाराव के खिलाफ द्वेषपूर्ण "वाइट पाउडर" अभियान छेड़ दिया है तथा उनसे कहा है कि वे अपना ब्लड सैम्पल दे और जांच करायें तथा सिद्ध करें कि वे ड्रग्स नहीं लेते हैं।

के.टी. रामा राव ने भाजपा नेता की भाषा और बयान का उतना ही चुभने वाला जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि क्या हो अगर वे भी यह मांग करें कि प्रधानमंत्री मोदी तथा अन्य शीर्ष नेता भी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'मिलटरी सीक्रेट्स नहीं मांग रहे हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम ने बुधवार को कहा कि 7 दिसम्बर को हुई शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही विपक्षी सांसद दृढ़तापूर्वक यह कह रहे थे कि चीन द्वारा किये गये हमले पर चर्चा

- पूर्व केन्द्रीय गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने कहा कि "शीतकालीन सत्र के आरंभ से ही विपक्षी सदस्य चीन की घुसपैठ पर चर्चा कराना चाहते हैं, मिलिटरी सीक्रेट्स नहीं मांग रहे हैं।"

की जाये, वे "मिलिटरी सीक्रेट्स नहीं मांग रहे हैं।"

जब विपक्षी सांसद संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस पत्रकारों से बात करते हुये, चिदम्बरम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी बूटियाँ हैं कि जो एक बार घोल कर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है।

–अमृतलाल नागर

कोचिंग हब में आत्महत्याओं का अंतहीन सिलसिला

एक मोटे अनुमान के अनुसार हजारों करोड़ से अधिक सालाना कारोबार वाली शिक्षा नगरी कोटा को लगता है नजर लग गई है। देश भर में विख्यात कोटा में उज्ज्वल भविष्य का समना संजोयें आने वाले युवाओं द्वारा खुदकशी करने का अंतहीन सिलसिला जारी है। इसी साल के ही आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो एक दर्जन से अधिक युवाओं ने सपनिले भविष्य के स्थान पर मौत को गले लगाने में किसी तरह का संकोच नहीं किया। यह कोई इस साल के ही हालात नहीं है अपितु यह पिछले कुछ सालों से लगातार चला आ रहा सिलसिला है। हांलाकि कोरोना काल में सब कुछ बंद होने से अवश्य कुछ सुधार दिखाई दिया था, पर हालात जस के तस देखने को मिल रहे हैं। यहां तक कि आए दिन इस तरह की खबरें आम होती जा रही है।

आखिर यह स्थिति क्यों होती जा रही है। यह अपने आप में विचारणीय मुद्दा हो जाता है। आखिर इसके लिए दोषी किसे माना जाए? स्वयं बच्चे को, अति महत्वाकांक्षी पेरेंट्स को, कोचिंग संस्थानों को, प्रशासन को या फिर हालातों को? हांलाकि किसी को दोषी ठहराने से समस्या का हल नहीं निकलने वाला हैं। यह भी सही है कि इन हालातों के लिए सरकार सहित सभी गंभीर है। तात्कालीक समाधान भी खोजे जाते रहे हैं पर परिणाम नहीं आ रहे। इंजीनियर या डॉक्टर बनने का सपना संजोए बच्चों का बीच राह में मौत को गले लगा लेना हृदय विदारक होने के साथ ही साथ कहीं गहरे तक सोचने को मजबूर कर देता है। आखिर क्या कारण है कि उज्ज्वल भविष्य व गरिमामय प्रोफेसन से जुड़ने की तैयारी की राह पर उतरते युवा इस कदर निराशा के दलदल में फंस जाते हैं कि बिना आगे-पीछे सोचे मौत को गले लगाने में हिचकते भी नहीं हैं।

कोटा में कोचिंग कर रहे छात्रों में जिस तेजी से आत्महत्याओं का दौर चला है वह अपने आप में गंभीर होने के साथ ही बच्चों के परिजनों, कोटावासियों या राजस्थान ही नहीं देश के मनोवैज्ञानिकों, राजनेताओं, प्रशासन, शिक्षाविद्ों को गहरी सोच में डाल दिया है। कोरोना काल में कोचिंग गतिविधियां बंद होने से आत्महत्याओं का यह अंतहीन सिलसिला कुछ कम अवश्य हुआ पर कोचिग संस्थानों के चालू होते ही आत्महत्याओं का जो सिलसिला शुरु हो गया है वह अपने आप में चिंतनीय और समाधान खोजने को मजबूर कर देता है। यह कोई शिक्षा नगरी कोटा का नाम खराब करने का प्रयास नहीं है अपितु शिक्षा नगरी में आए दिन हो रही घटनाओं का विश्लेषण है। यह अपने आप में गंभीर है और इसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही गंभीर भी है।

यही कोई दो माह पहले कोटा में कोचिंग कर रही छात्रा कृति ने सरकार और अपने माता-पिता को मृत्युपूर्व अपने नोट में जो संदेश दिया है वह बहुत कुछ बयां करता है। अपनी मां को लिखा कि– "आपने मेरे बचपन और बच्चा होने का फायदा उठाया और मुझे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर करती रही।..... इस तरह की मजबूर करने वाली हरकत 11 वीं पढ़ रहीं मेरी छोटी बहन के साथ मत करना, वो जो करना चाहती है, जो पढ़ना चाहती है वह उसे करने देना" कुछ इसी तरह से सरकार को लिखा है कि अगर वे चाहते हैं कि– "कोई बच्चा नहीं मरे तो जितनी जल्दी हो सके इन कोचिंग संस्थानों को बंद करवा दें, यह कोचिंग खोखला बना देती है।" कृति के इन संदेशों में कितनी सचाई और दर्द छिपा है यह अपने आप बयां कर रहा है। आखिर बच्चों का बचपन बड़ों की महत्वाकांक्षा के आगे टिक नहीं पा रहा है और गला काट प्रतिस्पर्धा में ब्रच्चों को मानसिक दबाव और कुंठा की राह धकेल रहा है। यह साफगोई है तो सचाई भी यही हैं।

> **कृति के इन संदेशों में कितनी सचाई और दर्द छिपा है यह अपने आप बयां कर रहा है। आखिर बच्चों का बचपन बड़ों की महत्वाकांक्षा के आगे टिक नहीं पा रहा है और गला काट प्रतिस्पर्धा में ब्रच्चों को मानसिक दबाव और कुंठा की राह धकेल रहा है।**

इसमें कोई दो राय नहीं कि औद्योगिक नगरी से कोटा ने शिक्षा नगरी के रुप में समूचे देश में पहचान बनाई है। पर संस्थान कारोबार में बदल जाते हैं तो उनके परिणाम भी भिन्न हो जाते हैं। आईआईटी और इंजीनियरिंग में प्रवेश दिलाने की कोचिंग के लिए कोटा शहर की पहचान पूरे देश में कोचिंग हब के रुप में है। पिछले कुछ दशकों में कुकुरमुत्ते की तरह कोटा में कोचिंग संस्थानों ने कारोबार के रुप में पांव पसारे हैं। अकेले कोटा में ही कोचिंग के लिए आने वाले छात्र-छात्राओं की तादाद यही कोई दो से ढाई लाख तक है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में कोचिंग का व्यवसाय कोई 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक का माना जा रहा है। इसमें से अकेले कोटा में कोचिंग का कारोबार एक हजार करोड़ रुपए से अधिक है। साफ है कोचिंग पूरी तरह से व्यवसाय का रुप ले चुकी है, ऐसे में मानवीय संबंध या गुरु-शिष्य के संबंध कोई मायने नहीं रखते। अपनत्व या आपसी संवेदना तो दूर-दूर की बात है। कोचिंग संस्थान पांच से छह घंटों तक कोचिंग कराते है शेष समय हॉस्टल में अध्ययन में बीतता है। पहले से ही मानसिक दबाव में रह रहे बच्चें कोचिंग संस्थानों की नियमित परीक्षाओं के माध्यम से रेंकिंग के दबाव में रहते संवेदनशील बच्चे इस दबाव को सहन ही नहीं कर पाते। कोचिंग संस्थानों के लिए तो यह निरा व्यवसाय बन जाने के कारण उन्हें बच्चों के मनोविज्ञान को समझने की ना तो जरुरत महसूस है और ना ही परवाह। दूसरी तरफ परिजन उंचे उंचे ख्वाब देखते हुए बच्चों का इन कोचिंग संस्थानों में प्रवेश कराकर अपने दायित्व की इतिश्री कर लेते हैं।

कोटा में चल रहे आत्महत्याओं के दौर से केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही चिंतित है। सरकार और मनोविज्ञानियों ने अपने स्तर पर प्रयास भी शुरु किए पर वह अभी कारगर नहीं हो पा रहे हैं। कोरोना से पहले केन्द्र सरकार ने आत्म हत्या के कारणों का अध्ययन कराने के लिए कमेटी गठित की। तो जिला प्रशासन भी सक्रिय हुआ। बच्चों के मानसिक दबाव को कम करने के लिए कोचिंग विद फन का कंसेप्ट लाया गया। जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों के लिए गाइड लाइन जारी करने के साथ ही होप हेल्प लाईन को शुरु किया गया। जिला प्रशासन की दखल के बाद फन डे, योग, मेडिटेशन के माध्यम से पढाई के तनाव को कम करने के प्रयास शुरु किये गए। परिजनों ने भी अपने बच्चों से निरंतर संपर्क बनाना शुरु किया। काउसलिंग व स्क्रीनिंग जैसी व्यवस्थाएं भी नियमित करने का प्रयास आरंभ हुआ। कोटा में कोचिंग छात्रों की आत्म हत्या के कारण कोई भी रहे हो पर यह बेहद चिंतनीय है। हमें कोटा की पहचान को बनाए रखना है तो यहां कोचिंग लेने आने वाले बच्चों के आत्मबल को भी मजबूत करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

परिवर्तन को तरसती पहली सीढ़ी

डॉ. रामावतार शर्मा

नीलोत्पल मृणाल का एक बड़ा यथार्थवादी और खोखली विचारधाराओं पर आक्रमण करता उपन्यास है जिसका शीर्षक है 'औघड़'। चमार टोले का पवित्तर दास शहर जाकर पैसे वाला बन जाता है और अपने मोहल्ले में काली मंदिर की स्थापना पर पूरे गांव को प्रसादी के लिए आमंत्रित करता है। धार्मिक भावनाओं से आकंठ डूबे समाज में खुशी नहीं कि काली का मंदिर बना है पर इर्ष्या और विद्वेष है कि एक चमार ने इतना धन कैसे कमाया और उसके घर का प्रसाद कौन खाने जाए। जैसा कि हम सब देखते रहे हैं और हमारे गांव में होता रहा है, पवित्तर दास का साथ दिया गांव के गांजा, भांग पीने वाले तथाकथित सवर्ण युवकों एवं देशी घी की मिठाइयों के स्वाद प्रेमी कुछ गांव वालों ने।

यहां एक बात हर तरफ देखी जाती है कि हमारे यहां जातिवाद ने देवी देवताओं और ईश्वर को भी विभाजित कर दिया। अपनी जाति पर गर्व तक तो ठीक हो सकता है पर दूसरी जातियों को हीन समझने का अधिकार भला इन लोगों को किसने दिया है?

भारत के तथाकथित संस्कृति रक्षक सदियों से अपने ही समाज के वंचित समूहों की आवाजों को सुनने के मामले में बहरे बने रहे हैं। शब्द तो बड़े बड़े गढ़ लिए पर व्यवहार में सामाजिक और आर्थिक विषमताओं पर बोलने का न तो साहस जुटा पाए और ना ही कभी इसकी इच्छा शक्ति रखी। जैसे-तैसे अपनी स्वार्थसिद्धि करते ये लोग आकर्षक शब्दावली की ओट में निचले तबके के शोषण में सहायक ही रहे है। परिणाम यह हुआ कि भारतीय समाज विभिन्न तरह के जातीय समूहों में विभक्त हो गया जहां पर जातियां एवम् उपजातियां ही एक नागरिक का सम्मान या अपमान तय करने लगी। यह एक पूर्णतया दुर्भाग्यपूर्ण और अमानवीय स्थिति है जहां एक व्यक्ति को महज उसकी पैदाइश के अनुसार ही पहचाना जाने लगे। एक जैविक संयोग किसी जीव के भविष्य को भला कैसे निर्धारित कर सकता है?

1970 के दशक में एक झलक सी उभरी थी कि भारत इस सदियों पुराने मानवता विरोधी माहौल से ऊपर उठ जाएगा पर तिकड़मबाज राजनेताओं में जाति का जहर महानगरों तक में फैला दिया और अब तो लगने लगा है कि भारतीय समाज वैसा ही रहेगा जैसा रहीम ने 700 साल पहले कहा था– "रहिमन प्रीत ना कीजिए, जिस खीरा ने कीन बाहर से तो दिल मिले, भीतर फांकें तीन ।।"

यदि ऐसा ना होता तो वो क्या कारण हैं जब भारत सरकार ने कुल आबादी के 8.6 प्रतिशत आदिवासियों की जमीनें अपने अधिकार में ली जोकि सरकार द्वारा अधिकृत की गई भूमि का 50 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है तो देश में कहीं से कोई आवाज नहीं उठी? यहां चुरू, झुंझुनूं या झोटवाड़ा जैसी जगह रसूखदारों के मकान बचाने के लिए ओवरब्रिज की चौड़ाई अव्यावहारिक रूप से पतली कर दी जाती है और वहां आदिवासियों को विस्थापित कर कोई अन्य व्यवस्था या रोजगार तक उपलब्ध नहीं करवाया जाता है। जब कोई आदिवासी अधिकार मांगता है जो वह राष्ट्र विरोधी घोषित हो जाता है जो हमेशा संदेहास्पद लगता रहा है क्योंकि इस खेल में पारदर्शिता का पूरा अभाव है। स्वयं सरकारी आंकड़ों के अनुसार झारखंड में 89 प्रतिशत और ओडिशा में 70-75 प्रतिशत खेतिहर मजदूर या अति लघु किसान हैं और इनमें से 55 प्रतिशत के करीब लोग भोजन असुरक्षा में हर एक दिन गुजारते हैं।

अब चाहें जानबूझ कर हो रहा हो या अनजाने में हमारे देश में एक षडयंत्र सा हो रहा है कि लोगों को बांट के रखो। आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, रामानंद, संत तुकाराम, संकरदेव, कृष्ण चैतन्य, रविदास, कबीर, मीरा और चोखा मेला के प्रयत्नों के बावजूद हम जातियों में बंधे ही नहीं रहे बल्कि इन संतों के शिष्यों के रूप में नई जातियां विकसित हो गई। सिख गुरुओं ने एकरूप समाज का संदेश देकर एकता के प्रयास किए पर आज कितनी ही तरह के सिख नजर आते हैं। इस्लाम में मुसावत (समानता) की बात तो बड़े फख्र से होती है पर उनका समाज अशरफ (उच्च कोटि) और निम्न कोटि पसमांदा (असलफ और अरजाल) में बड़े स्तर तक बंटा हुआ है। पसमांदा का मतलब होता है पीछे छूटे हुए लोग। इन सब विभक्तियों का बड़ा कारण समाज के पिछड़े तबकों में शिक्षा का अभाव है। अशिक्षित लोगों को हिंसक भीड़ में बदलना आसान होता है इसलिए इन लोगों में राष्ट्र प्रेम जैसी भावनाएं विकसित नहीं हो पाती है जिसके लिए एक तरह से देश के प्रबुद्ध लोग ही जिम्मेदार मानें जायेंगे।

देश में एस सी, एस टी और ओ बी सी के लिए आरक्षण है तो इनमें से कोई भी यदि अपने जीवन में आगे बढ़ता है तो उसको दिल से कोई सम्मान नहीं मिलता पर ऐसा करने वाले भूल जाते हैं कि वे लोग भी सदियों से कुछ व्यवसायों पर एकाधिकार जमाए बैठे हैं। आरक्षण में भी सिर्फ कुछ परिवारों ने एकाधिकार जमा रखा है और वे अपनी जाति के बादशाह बन बैठे हैं और इस तरह से जाति में उप जाति उत्पन्न होती जा रही हैं। यहां सब कुछ उलझता सा जा रहा है और हर तरफ वैमनस्य नजर आने लगा है। हर तरफ फैल रहे निजीकरण के फलस्वरूप आरक्षण अपना महत्व खोता जायेगा और वातावरण में और कटुता बढ़ेगी। क्या हम ऐसा कर पाएंगे कि लोगों को पहली सीढ़ी से ऊपर उठाया जाए ताकि बड़े स्तर पर संभावित सामाजिक कटुता पर अंकुश लगे? क्या हमारा राजनीतिक एवम् सामाजिक नेतृत्व इतना संवेदनशील और सक्षम है कि कोई दूरगामी योजना को सोच दे सके?

यहां एक सवाल उभरता हैं क्या इस तरह की समस्याओं का कोई सम्मानजनक निवारण संभव है? उपाय तो है पर इसके लिए व्यक्तिगत और राष्ट्रीय दोनों तरह की चेतना चाहिए होती है। सिर्फ शासकीय परिवर्तनों से बड़ी सामाजिक व आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं निकल सकता है क्योंकि संसाधनों पर कब्जा करने में अगड़े और पिछड़े नेता या अधिकारी अपने ही समाज के लोगों को धक्का देने में झिझकते नहीं हैं। परिवर्तन व्यक्तिगत स्तर पर होगा तो ही स्थाई परिवर्तन होगा। लोगों को भाग्य के भरोसे जीने की आदत पड़ जाती है जो कि एक निराशावादी विचारधारा है। कर्म कुशलता के बिना भाग्य को भी घुण लग जाता है और कर्म किसी के भी भाग्य को बदलने में सक्षम है। तजुर्बे की कोई जाति नहीं होती, धर्म भी नहीं होता। कार्य में निपुणता का प्रशिक्षण संभव है इसलिए यदि इन क्षेत्र पर बड़ा कार्य किया जाए तो संभव है कि 200 करोड़ जनसंख्या की तरफ अग्रसर इस देश की आबादी में कुछ शकून आ पाए वरना वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के सारे दावे ज्यादातर भारतीयों के लिए दिवा स्वप्न बन कर रह जायेंगे और समय के साथ देश में हर तरफ अपराध, हिंसा, लूटपाट और अराजकता आदि विस्तार लेने लगेंगे।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

"सम" में बी.एस.एफ. पार्क का उद्घाटन

पार्क में पर्यटक बीएसएफ जवानों के विभिन्न गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं

जैसलमेर में बी.एस.एफ. सम पार्क का महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल पंकज कुमार सिंह (दाएं) ने विधिवत् उद्घाटन किया।

जैसलमेर, (निसं)। 21 दिसम्बर 2022 को पंकज कुमार सिंह, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली ने बी.एस.एफ. पार्क , सम, जैसलमेर का विधिवत् उद्घाटन किया।

बीएसएफ सम पार्क में पर्यटक बीएसएफ जवानों के जंग की कहानियाँ, अन्तर्राष्ट्रीय बॉर्डर, सीमा चौकियों, बँकर्स, ऊटों पर गस्त, हथियार प्रदर्शनी, फॉटो गैलरी, ऑडियो-विडियो विजुवल हॉल, फायरिंग सिमुलेटर, चिल्ड्रन पार्क, कॅफेटेरिया, सॉवनियर शॉप आदि प्रकार की गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं। इस पार्क को आमजन के लिए आज खोला गया है, जहाँ पर बॉर्डर नहीं जा सकने वाले पर्यटक भी बॉर्डर की वास्तविकता से रुबरु हो सकेगें। पंकज सिंह ने जैसलमेर दौरे के दौरान राजस्थान सीमान्त के सभी वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर राजस्थान फ्रंटियर की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श भी किया।इस मौके पर महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल के अलावा, पी. वी रामाशास्त्री, अपर महानिदेशक पश्चिमी कमान, चंडीगढ़, फ्रंटियर राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

- **पार्क में पर्यटक भी बॉर्डर की वास्तविकता से हो सकेंगे रुबरू**

'कृषि उत्पादन बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा के लिए बहु आयामी रणनीति अपनानी होगी'

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर का 16 वां दीक्षांत समारोह बुधवार को गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान कलराज मिश्र ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। राज्यपाल दोपहर समारोह स्थल-विवेकानंद सभागार में पहुंचे जहाँ उनके स्वागत के पश्चात् दीक्षांत समारोह प्रारंभ हुआ। समारोह के प्रारम्भ में राज्यपाल ने उपस्थित विद्यार्थियों, अतिथियों एवं अभिभावकों को संविधान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर 954 उपाधियां प्रदान की गई।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए जीवन का नया सोपन है जिससे वे अपने अर्जित ज्ञान के प्रकाश को समाज और राष्ट्र के विकास के लिये चहुँ ओर फैलाएं। इस अवसर पर उन्होंने सभी पदक विजेताओं और उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आपका यह विष्वविद्यालय शोध और षिक्षा का देष का प्रमुख केन्द्र बने। इसके लिए जरूरी है कि नवाचार अपनाते हुए ऐसे विषयों पर विष्वविद्यालय ध्यान दें जिससे खेतों में उन्नत पैदावर ही नहीं हो बल्कि स्थानीय जलवायु के अनुसार खेती आगे बढ़े। कृषि क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान तेजी से विकास और पैदावार में भी तेजी से वृद्धि हुई है परन्तु इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरा षक्ति क्षीण हुई है, खेती का क्षेत्र घटने लगा है। इसके साथ ही और भी बहुत सारी समस्याएं कृषि क्षेत्र में उत्पन्न हुई है। मैं चाहता हूं, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्ष्वद्यालय इन समस्याओं के प्रभावी समाधान हेतु नई तकनीकों के उपयोग के साथ ही ऐसी शोध विकसित करें जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढे, विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन हो साथ ही खेती में रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग हो। ऐसे उपाय कृषि वैज्ञानिक सुझाएं जिससे खेत-खलिहानों में समृद्धि की बयार आए। हमें हमारी उस प्राचीन संस्कृति को सहेजने की जरूरत है। खेती के पारम्परिक तरीकों के साथ कृषि विज्ञान की हमारी वैदिक परम्परा और लोक से जुड़े ज्ञान का उपयोग हो इस पर वृहद स्तर पर चिंतन करने की आज जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी व खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत हमें अब बहु-आयामी रणनीति अपनानी होगी।

कुलाधिपति योग्य छात्र छात्राओं को उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये। इस दीक्षांत समारोह में भी बेटियों ने पदक हासिल करने में बाजी मारी है, इनमे से 12 छात्रों और 23 छात्राओं ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया है जिसकी राज्यपाल ने भी प्रशंसा की। उन्होंने सभी उपाधियां और पदक पाने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी।

कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने विश्वविद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय का कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार जैसे सभी मोर्चा पर श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। आईसीएआर रैंकिंग में भी हमने विगत वर्ष 15 वीं रैंक प्राप्त की है जो की 2 साल पहले 51 वीं थी। एमपीयूएटी को समूचे राजस्थान में श्रेष्ठतम विश्वविद्यालय के रूप में कुलाधिपति पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव मिला है। राज्यपाल के स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव पर गोद लिए ग्राम मदार में भी हमारा श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है जिसके फलस्वरूप हमारे कार्यों और मदार को सभी विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श ग्राम के रूप में रखा गया है।

आपके आदेशों के प्रतिपालन में हम एम पी यूएटी में एक उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। फलस्वरूप इस दीक्षान्त समारोह में 760 स्नातक, 126 स्नातकोत्तर और 68 विद्यावाचस्पति विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जा रही हैं। साथ ही कुलाधिपति के करकमलों से 13 स्नातक, 17 स्नातकोत्तर और 2 विद्यावाचस्पति छात्रों को उनके संबंधित संकायों में योग्यता के क्रम में प्रथम स्थान हासिल करने पर स्वर्ण पदक प्रदान किया जा रहा है। सामुदायिक व व्याहारिक विज्ञान महाविद्यालय के होनहार विद्यार्थी यथार्थ शर्मा को कुलाधिपति पदक से भी सम्मानित किया जा रहा है। 1 छात्रा को जैन इरिगेशन मेडल व 1 छात्रा को फूल सिंह राठौड़ स्मृति पदक भी प्रदान किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील इंटोदिया ने बताया की विश्वविद्यालय के 16 वें दीक्षांत समारोह में 954 उपाधियाँ प्रदान की गई।

- **पारम्परिक खेती के ज्ञान के साथ अपनाने होंगे नवाचार**
- **महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 16 वां दीक्षांत समारोह**

राशिफल गुरूवार 22 दिसम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठ नक्षत्र रात्रि 4:03 तक, शूल योग सांय 5:43 तक, विष्टि करण प्रात: 8:45 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:03 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 8:45 तक है। आज त्रिस्तुनिक (जैन) है। आज से राष्ट्रीय पौष मास आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:33 तक, चर 11:08 से 12:25 तक, लाभ-अमृत 11:25 से 3:00 तक, शुभ 4:17 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:16, सूर्यास्त 5:34

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। परिवार में आपसी वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

धनु
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

लोक संस्कृति के पर्व शिल्पग्राम उत्सव का आगाज

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर के शिल्प के आंगन में शिल्पग्राम महोत्सव की शुरूआत बुधवार को हो गई। शिल्प और कला की संस्कृति के रूबरू कराने वाले इस महोत्सव में देश के कई प्रांतों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। बुधवार शाम इस महोत्सव का शुभारंभ राज्यपाल कलराज मिश्र ने पारंपरिक नगाड़ा बजाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर इसकी शुरूआत की।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कहा कि शिल्पग्राम जीवन से जुड़ी उत्सवधर्मिता का त्योहार है। भारतीय संस्कृति जीवन से जुड़े संस्कारों से ही प्रत्यक्षत: जुड़ी हुई है। जीवन से जुड़े जो संस्कार हैं, उनसे ही कला उपजती रही है। उन्होंने कहा कि यहां जो स्टॉल लगाए हैं, उनको देखकर स्पष्ट ही यह अनुभूत होता है कि जीवन से जुड़ी परम्पराओं को कैसे कलाकारों ने अपने सृजन में शिल्प, चित्रकला और अन्य कलाओं में उकेरा है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करती है। यह सारा विश्व हमारा परिवार है। इसलिए सर्वे भवन्तु सुखिन के भावों से हमारी संस्कृति ओतप्रोत है। हमारे यहां शिल्प शास्त्रों में विविध प्रकार की कलाओं तथा हस्तशिल्पों का विशद् विवेचन किया गया है। शिल्प के अंतर्गत विभिन्न प्रकार से जुड़े हस्तशिल्प, डिजाइन और उनसे जुड़े सिद्धान्तों को वर्णित किया गया है।

दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव का आगाज राज्यपाल कलराज मिश्र (बीच में) ने नगाड़ा बजाकर किया।

उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि वे इन सभी कलाकारों की कलाओं की गहराई में जाएं। इससे पता चलेगा कोई एक कला नहीं यहां सभी कलाओं का मूल है। यही कलाओं का अन्त:संबंध है। इन्हें समझेंगे तो न केवल कलाओं के संसार में आप प्रवेश कर सकेंगे बल्कि मन भी उल्लसित होगा। शिल्पग्राम उत्सव के बहाने लोक संस्कृति से, लोक और जनजातीय कलाकारों की कला से रू-ब-रू होने के जो अवसर मिल रहे हैं, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि उदयपुर का यह शिल्पग्राम देशभर में विख्यात है। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां पर राजस्थान, गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की ग्रामीण और स्वदेशी संस्कृति एक साथ अनुभूत की जा सकती है। इन सभी राज्यों के विभिन्न जातीय समुदायों की संस्कृति, उनकी जीवनशैली और परंपराओं को यहां झोपडियों में दर्शाया गया है। राज्यपाल मिश्र ने जयपुर के तमाशा कलाकार व रंगकर्मी दिलीप कुमार भट्ट तथा अहमदाबाद के संस्कृति कर्मी तथा जनजाति कला के उन्नयन में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ. भगवान दास पटेल को पद्मभूषण डॉ कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेन्ट पुरस्कार प्रदान किया। आरंभ में राज्यपाल ने संगम सभागार में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बेणेश्वर धाम के संत मावजी महाराज के चोपड़ों में समाहित चित्रों का छायांकन कर प्रलेखन किए गए चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि शिल्पग्राम उत्सव में 400 शिल्पकार और 700 लोक कलाकार भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में गोवा के कला एवं संस्कृति मंत्री गोविन्द गावड़े, बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता, चुनाव आयुक्त मधुकर गुप्ता, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ओएसडी गोविन्द जायसवाल आदि मौजूद रहे।

शिल्पग्राम उत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रंगमंच पर 'समागम' के आयोजन के अंतर्गत 9 राज्यों के सवा दो सौ कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रोलोग से हुई जिसमें दीपों से उत्सव का प्रकाश फैलाया। इसके बाद पश्चिम बंगाल के श्री खोल नृत्य से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद जम्मू कश्मीर रॉफ, असम का बोडई शिखला, उडीसा को गोटीपुआ, महाराष्ट्र का लावणी, गोवा का समई, झारखण्ड का छऊ गुजरात का डांग और पंजाब के भांगड़े की प्रस्तुतियां सम्मोहक रही। अंत में समस्त प्रतिभागियों ने एक साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर आकर्षक सामूहिक नृत्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

- **शिल्प के आंगन में दिखी चहल-पहल**
- **दस दिन तक चलेगा उत्सव**

आरटीयू के एसोसिएट प्रोफेसर को बर्खास्त करने की मांग

■ एक छात्रा से अस्मत मांगने का मुकदमा दर्ज हुआ

कोटा, (निसं)। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर गिरीश परमार के खिलाफ परीक्षा में पास करने की एवज में एक छात्रा से अस्मत मांगने का मुकदमा दर्ज हुआ है। इसके बाद से ही आरोपी भूमिगत हो गया है। यह पहला मामला नहीं है जब उसके खिलाफ इस तरह की बातें सामने आई हैं।

इससे पहले भी आरोपी प्रोफेसर पर कई छात्राएं इस तरह से परेशान करने का आरोप लगा चुकी हैं। साथ ही विश्वविद्यालय प्रबंधन को भी हर बार उसकी हरकतों से अवगत कराया गया बावजूद इसके आरोपी के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। यहां तक की अंडर गारमेंट्स चोरी के मामले में भी उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोपी गिरीश परमार छात्राओं को अपने चंगुल में फंसाने के लिए कई तरह की ट्रिक अपनाता था। यह खुद ही एक फर्जी पेपर बनाकर बच्चों के बीच सर्कुलेट करवा देता। जिसमें पूरा प्रश्नपत्र हूबहू आने की जानकारी देता था लेकिन बाद में ऐसा होता नहीं था और अधिकांश विद्यार्थी पूरा प्रश्नपत्र करने से चूक जाते थे। जिसके चलते उनके अच्छे नंबर भी नहीं आ पाते थे तो कई विद्यार्थी फेल तक हो जाते थे। जिसका फायदा उठाकर आरोपी छात्राओं के साथ ऐसी हरकतें करता था।

2003 में भी आरोपी के खिलाफ एक कश्मीरी छात्रा ने उसे परेशान करने का आरोप लगाते हुए तत्कालीन वाइस चांसलर से शिकायत की थी। उसकी शिकायत को बाद में रफा-दफा कर दिया गया।

साथ ही उसे तीन सालों तक फेल किया जाता रहा। यहां तक की शिकायत करने वाली छात्रा का भी यही कहना है कि परमार छात्राओं को चैलेंज कर फेल करता है। आरोपी प्रोफेसर की 1999 में नियुक्ति हुई थी।

इसके बाद से ही उसके खिलाफ लगातार शिकायतें आती रही लेकिन अभी तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। विश्वविद्यालय की ही एक अन्य शिक्षिका से बदतमीजी करने पर उसके पति ने आरोपी की जमकर पिटाई भी की थी।दूसरी तरफ इस मामले में भाजपा के पार्षद सुरेंद्र राठौड़ और नेता चेतन नागर के नेतृत्व में बुधवार को एक प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर ओपी बुनकर से मिला। जहां उनसे गिरीश परमार को अविलंब निलंबित करने की मांग की गई।

हाड़ौती संयुक्त छात्र संगठन ने भी आरटीयू के बाहर प्रदर्शन कर आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। इसके साथ ही संगठन संयोजक नागेंद्र सिंह राणावत व अन्य छात्रों ने कुलपति को ज्ञापन देकर उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर निष्पक्ष जांच करने व आरोपी को निलंबित करने की मांग की है। कोटा राजकीय कन्या कला महाविद्यालय की अध्यक्ष अंजलि ने भी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के संबंध में निर्णय लिए

कोटा, (निसं)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय महाराव भीमसिंह चिकित्सालय, जेके लोन चिकित्सालय, नवीन चिकित्सालय, सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय की आरएमआरएस की बैठक सीएडी सभागार में कार्यवाहक संभागीय आयुक्त अनुराग भार्गव की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय सरदाना, चिकित्सालयों के अधीक्षक, संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष, संबंधित मुख्य लेखाधिकारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं केईडीएल के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। महाराव भीमसिंह चिकित्सालय एवं जेके लोन चिकित्सालय परिसर में स्मार्ट सिटी परियोजना में नवनिर्मित भवनों में नवीन विद्युत कनेक्शन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। केईडीएल के अधिकारियों द्वारा एमबीएस चिकित्सालय का 2.85 करोड़ रुपये एवं जेके लोन चिकित्सालय का 1.81 करोड़ रुपये के विद्युत बिल बकाया बताये गये जिसके जमा होते ही तीन दिवस में उक्त भवनों में विद्युत कनेक्शन कराने का आश्वासन दिया।

इस पर सर्वसम्मति से बकाया विद्युत बिल दोनों चिकित्सालयों के जमा कराने का निर्णण लिया गया और जिसका पुनर्भरण राजकीय बजट प्राप्त होने पर राजकीय बजट से किया जायेगा और शीघ्र नवीन भवनों में विद्युत कनेक्शन कराने के निर्देश दिये गये। एमबीएस चिकित्सालय में न्यूरोसर्जरी एवं न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत एक मरीज के किये गये आपातकालीन ब्रेन एन्यूरिज्म का एंडोवैस्कुलर तकनीक से फ्लो डायवर्ट प्रोसीजर के लिये क्रय किये गये कन्ज्यूमेबल आईटम्स की राशि 9.25 लाख की कार्योत्तर स्वीकृति बाद सर्व सम्मति से प्रदान की गई। एमबीएस चिकित्सालय के मुख्य ऑपरेशन थियेटर का रखरखाव एवं मरम्मत कराने के लिए 6.33 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक: LU2012/KOT/2022-23/100472 **लोक सूचना** दि.21.12.2022

श्री MUKESH KUMAR SUMAN पुत्र श्री RAMESHWAR PRASAD SAINI जाति MALI निवासी NEAR GANESH TEMPLE, SAINI FLOOR MILL KALA TALAB, ARJUNPURA KOTA, RAJ. ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	रंग तालाब उर्फ काला तालाब, लाडपुरा (कोटा)	1. MAHAVEER PRASAD S/O SURAJ MAL MALI, SA.DEH KHATEDAR 2. MADHO LAL S/O SURAJ MAL MALI SA.DEH.KHATEDAR	832/571	2072	0.2072
2.	रंग तालाब उर्फ काला तालाब, लाडपुरा (कोटा)	1. MAHAVEER PRASAD S/O SURAJ MAL MALI, SA.DEH KHATEDAR 2. MADHO LAL S/O SURAJ MAL MALI SA.DEH.KHATEDAR	572	9600	0.96
				कुल	1.1672

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 21/12/2022 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, कोटा**

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-451 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-21.12.22

नगर विकास न्यास कोटा की योजना विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाईल विस्तार योजना में भूखंड संख्या 170 मै. फ्रेन्डस ऑटो गेराज प्रो. गोपाल लाल पुत्र श्री चन्दा लाल के नाम से आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 04.12.2000 को जारी किया गया था। मूल आवंटी श्री गोपाल लाल की मृत्यु दिनांक 31.10.2011 को हो चुकी है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में श्री मुकेश गुप्ता के नाम वसीयत निष्पादित कर रखी थी। मृत्यु उपरांत आवंटी के विधिक वारिसान श्री मुकेश गुप्ता पुत्र श्री जमुना लाल गुप्ता द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, शपथ पत्र, आई.डी. व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 170 विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाईल विस्तार अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 170 योजना विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाईल विस्तार का नाम हस्तान्तरण श्री मुकेश गुप्ता पुत्र श्री जमुना लाल गुप्ता के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

मैलोड़ी-2022 सांस्कृतिक सप्ताह में प्रतियोगिता आयोजित

कोटा, (निसं)। अकलंक महाविद्यालय में सांस्कृतिक सप्ताह 'मैलोडी-2022' के तृतीय दिवस सर्वप्रथम आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगियों ने समसामयिक विषयों जैसे: स्मार्ट सिटी, कोटा मोबाइल, सहशिक्षा, कॉलेज फ्रैंड्स, पर अपने विचार प्रकट किए। आशुभाषण प्रतियोगिता एक ऐसी कला है जो विद्यार्थियों को न केवल स्वयं सोचने में मदद करती है बल्कि उनके रचनात्मक विचारों को भी सटीक रूप में प्रस्तुत करने में सहायक होती है।

इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में जहां आत्मविश्वास ब-सजग़ता है वहीं ये उन्हें बेहतर वक्ता बनने में भी मदद करती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एक अच्छा वक्ता बनने के लिए एक अच्छा श्रोता होना आवश्यक है। उन्होंने सुनने और अवलोकन के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि सुनने में केवल एक ही इन्द्री सक्रिय होती है जबकि अवलोकन करने में पांचों इन्द्रियां सक्रिय होती हैं। निर्णायक मंडल ने प्रतियोगियों के आत्मविश्वास तथा प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

टेटू बनाओ प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने आकर्षक डिजाइन में टेटू बनाए। एक्सटेम्पोर में प्रथम स्थान महक गंगवानी ने तथा प्रार्थना पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी में दिया सोनी प्रथम तथा ज्योति मीणा द्वितीय रहीं। टेटू बनाओ प्रतियोगिता में मनीष कुशवाह प्रथम तथा आशीष गोस्वामी द्वितीय रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. निधि ठक्कर, डॉ. प्राची बंसल, एडवोकेट अरूणा पाटनी, प्रवेश सोनी, डॉ. सुरभि गोयल तथा प्रीति जैन रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तनु राजपाल ने किया।

सम्मेद शिखर संरक्षण की मांग को लेकर कोटा में जैन समाज का जन सैलाब सड़कों पर उतरा

कोटा, (निसं)। सम्मेद शिखर तीर्थ को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा वापस लेने की मांग को लेकर कोटा का जैन समाज का जन सैलाब कोटा की सड़कों पर उमड़ा। रैली लगभग डेढ़ किमी लंबी थी जिसमे बड़ी तादात में महिलाएं भी शामिल हुई जो भजन गाते हुए, हाथों में तख्तियां लेकर चल रही थी। बाद में कलेक्ट्रेट चौराहे पर सभा की। जहां मुनि शुद्धसागर ने संबोधित किया।

सकल जैन समाज के लोगों का कहना है कि झारखंड की पूर्व सरकार की अनुशंसा पर भारत सरकार द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के तहत सम्मेद शिखर तीर्थ को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा की है। इससे जैन समाज में आक्रोश है। सम्मेद शिखर जैनियों का तीर्थ है। जैनियों की पवित्र भावना है, वहां जूते चप्पल नहीं ले जाते, वहां खाना-पीना अलाव नहीं है। जब तक वंदना नहीं करते। इस तीर्थ से समाज के लोगों की पवित्र भावना जुड़ी हैं। उसको पर्यटन स्थल बनाने का विरोध करने आए हैं। हमारी मांग है कि सरकार पर्यटन स्थल घोषित करने की घोषणा को वापस लें और इसे निरस्त करें। यह तीर्थ जैनियों का है इसे जैनियों का ही रहने दें। हम किसी भी कीमत पर इसे पर्यटन स्थल घोषित नहीं होने देंगे हम अहिंसक जैन समाज है।

हिंसा पर उतरने मजबूर ना किया जाएं। जैन समाज के संतो और नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी कि झारखंड सरकार ने कानून को रद्द नहीं किया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जैन समाज के नेता विमल जैन पंकज मेहता, अमित धारीवाल ने भी सरकार को चेतावनी दी कि जैन समाज के लोगों ने कलेक्ट्री चौराहे पर प्रदर्शन करने के बाद जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर जापान सौंपा। ज्ञापन में लिखा की 'पारसनाथ पर्वतराज' को वन्य जीव अभ्यारण्य, पर्यावरण पर्यटन के लिए घोषित इको सेंसिटिव जोन के अन्तर्गत जोनल मास्टर प्लान व पर्यटन मास्टर प्लान, पर्यटन/धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर किया जाएं। पर्वतराज को बिना जैन समाज की सहमति के इको सेंसिटिव के अन्तर्गत वन्य जीव अभ्यारण्य का एक भाग ओर तीर्थ माना जाता है लिखकर तीर्थराज की स्वतंत्र पहचान व पवित्रता 'पारसनाथ पर्वतराज' और मधुबन को मांस मंदिरा बिक्री मुक्त पवित्र 'जैन तीर्थस्थल घोषित किया जाए।

पर्वतराज की वन्दना मार्ग को अतिक्रमण, वाहन संचालन व अभक्ष्य सामग्री बिक्री मुक्त कर यात्री पंजीकरण, सामान जांच हेतु ब्ल्ब्थ व स्कैनर, ब्ब्ज्ट कैमरे सहित दो चैक पोस्ट चिकित्सा सुविधा सहित बनाये जाऐ। पर्वतराज से पेड़ों को अवैध कटान, पत्थरों का अवैध खनन और महुआ के लिए आग लगाना प्रतिबंधित हो। नष्ट करने वाली झारखण्ड सरकार की अनुशंसा पर केन्द्र वन मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचनार क्र. 2795 (ई) 02 अगस्त 2019 को अविलम्ब रद्द किया जायें। जैन तीर्थकरों और अनंतर संतों की मोक्षस्थल श्री सम्मेद शिखर जी 'पारसनाथ पर्वतराज', गिरिडिह (झारखण्ड) की स्वतंत्र पंचहान, पवित्रता और संरक्षण हेतु रविवार 11 दिसम्बर 2022 को विश्व जैन संगठन (पंजी) द्वारा आयोजित देशव्यापनी 'श्री सम्मेद शिखर जी बचाओ आन्दोलन' के समर्थन में विशाल सभा व रैली में निकाली गई।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2022/10441 दिनांक:-20.12.22

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड संख्या 601 आनन्दपुरा आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 145 दिनांक 26.05.1986 को श्री सुरेश चन्द्र मेहता पुत्र श्री शिव चन्द्र मेहता के नाम आवंटन किया गया था। श्री सुरेश चन्द्र मेहता पुत्र श्री शिव चन्द्र मेहता द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये मुख्तारआम श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री राधेश्याम द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 22.05.2015 को श्री सतप्रीत सिंह पुत्र श्री सुखविन्दर सिंह एवं श्री जयपाल सिंह पुत्र श्री नायब सिंह बुल्लर को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री सतप्रीत सिंह पुत्र श्री सुखविन्दर सिंह एवं श्री जयपाल सिंह पुत्र श्री नायब सिंह बुल्लर उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 601 आनन्दपुरा आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री सतप्रीत सिंह पुत्र श्री सुखविन्दर सिंह एवं श्री जयपाल सिंह पुत्र श्री नायब सिंह बुल्लर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
(ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का सपठित नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना पत्र दिनांक 12 मई 2022 को संदर्भ संख्या SME/SAR/13-2/MAY-22/08 ऋण खाता संख्या: 1921224424549526 निर्गमित की जिसमें माँग करते हुए ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता/जमानतदार मैसर्स श्री बालाजी ट्रेडिंग कम्पनी जरिए पार्टनर श्री महावीर मीणा व श्रीमती एखना (ऋणी), मैसर्स श्री बालाजी एग्रो सेल्स एण्ड सर्विस जरिए प्रोपराइटर श्री महावीर मीणा (जमानतदार), श्री महावीर मीणा पुत्र श्री घासी लाल मीणा (जमानतदार/बंधककर्ता) श्रीमती एखना पत्नी श्री महावीर मीणा (जमानतदार) को नोटिस में वर्णित के लिए रूपये 31,85,537/- (इकत्तीस लाख पिचयासी हजार पांच सौ सैंतीस मात्र) दिनांक 12 मई 2022 तक कुल देय (जिसमे शामिल मूलधन, ब्याज, पेनल्टी एवं अन्य शुल्क) सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि इस नोटिस की प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/बंधककर्ता के वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता एवं समान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित उक्त नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा 17 दिसम्बर 2022 को अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणी/सह ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार में के लिए रूपये 34,89,895/- (चौतीस लाख नवासी हजार आठ सौ पिच्यानबे मात्र) दिनांक 16 दिसम्बर 2022 तक सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

(1) संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित प्लॉट खसरा नं. 1479 पर, गांव अटरु, तहसील अटरु, बांरा, राजस्थान क्षेत्रफल 3200.00 वर्ग फीट जो की श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री घासी लाल के स्वामित्व मे है।

पूर्व : शंकर लाल नागर का प्लॉट — पश्चिम : राजकीय नाला
उत्तर : पुष्प चन्द्र मेघवाल का खुला प्लॉट — दक्षिण : सलापुरा रोड

(2) संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं. 346, गांव अटरु, तहसील अटरु, बारां, राजस्थान क्षेत्रफल 4684.00 वर्ग फीट जो की श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री घासी लाल के स्वामित्व मे है।

पूर्व : राधेश्याम शर्मा का मकान — पश्चिम : राजकीय बिल्डिंग
उत्तर : मैन कस्बा रोड — दक्षिण : रोड

दिनांक: 17.12.2022 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : अटरु (बारां) — एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
(ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का सपठित नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना पत्र दिनांक 01 फरवरी 2022 को संदर्भ संख्या SME/SAR/13-2/FEB-22/05 ऋण खाता संख्या: 1921224424560849 निर्गमित की जिसमें माँग करते हुए ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता/जमानतदार मैसर्स श्री बालाजी एग्रो सेल्स एण्ड सर्विस जरिए प्रोपराइटर श्री महावीर मीणा (ऋणी), मैसर्स श्री बालाजी ट्रेडिंग कम्पनी जरिए पार्टनर श्री महावीर मीणा व श्रीमती एखना (जमानतदार), श्री महावीर मीणा पुत्र श्री घासी लाल मीणा (जमानतदार/बंधककर्ता) श्रीमती एखना पत्नी श्री महावीर मीणा (जमानतदार) को नोटिस में वर्णित के लिए रूपये 29,04,804/- (उनतीस लाख चार हजार आठ सौ चार मात्र) दिनांक 01 फरवरी 2022 तक कुल देय (जिसमे शामिल मूलधन, ब्याज, पेनल्टी एवं अन्य शुल्क) सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि इस नोटिस की प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/बंधककर्ता के वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता एवं समान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित उक्त नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा 17 दिसम्बर 2022 को अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणी/सह ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार में के लिए रूपये 31,10,865/- (इकत्तीस लाख दस हजार आठ सौ पैंसठ मात्र) दिनांक 16 दिसम्बर 2022 तक सम्पूर्ण बकाया राशि के भुगतान तक भविष्य का ब्याज व शुल्क अतिरिक्त की राशि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

(1) संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित प्लॉट खसरा नं. 1479 पर, गांव अटरु, तहसील अटरु, बांरा, राजस्थान क्षेत्रफल 3200.00 वर्ग फीट जो की श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री घासी लाल के स्वामित्व मे है।

पूर्व : शंकर लाल नागर का प्लॉट — पश्चिम : राजकीय नाला
उत्तर : पुष्प चन्द्र मेघवाल का खुला प्लॉट — दक्षिण : सलापुरा रोड

(2) संपत्ति के सभी अभिन्न अंग सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं. 346, गांव अटरु, तहसील अटरु, बारां, राजस्थान क्षेत्रफल 4684.00 वर्ग फीट जो की श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री घासी लाल के स्वामित्व मे है।

पूर्व : राधेश्याम शर्मा का मकान — पश्चिम : राजकीय बिल्डिंग
उत्तर : मैन कस्बा रोड — दक्षिण : रोड

दिनांक: 17.12.2022 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : अटरु (बारां) — एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

क्रमांक: 3692 **जाहिर आम सूचना** दि. 21.12.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रोहित सिंघवी पुत्र श्री महाराज सिंह सिंघवी द्वारा नियमानुसार भूखण्ड संख्या 6-सी-23, रंगबाड़ी योजना के उपविभाजन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जो कि विचाराधीन है। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इन भूखण्ड के उपविभाजन बाबत् आपत्ति हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति हेतु समस्त दस्तावेज प्रस्तुत करें व कार्यालय मे आकर आवेदकों द्वारा प्रस्तुत मानचित्र को देख लेवें अन्यथा समयावधि गुजरने के बाद उपविभाजन की कार्यवाही की जावेगी तत्पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। तदनुसार सूचित हो।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	प्रस्तावित भूखण्ड का पता	प्रस्तावित भूखण्ड के पास की स्थिति	प्रस्तावित उपविभाजन
1.	श्री रोहित सिंघवी पुत्र श्री महाराज सिंह सिंघवी 6-ए-1 रंगबाड़ी योजना कोटा (राज.)	6-सी-23 (ए) 6-सी-23 (बी) रंगबाड़ी 189.60 वर्ग मी. 110.00 वर्ग मी. कुल 299.60 वर्ग मी.	उत्तर में – गली, दक्षिण में – रोड़, पूर्व में – रोड़, पश्चिम में– रोड़	उपविभाजन

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक: LU2012/KOT/2022-23/100479 **लोक सूचना** दि. 21.12.2022

श्री YOGENDRA MEGHWAL पुत्र श्री FOOLCHAND MEGHWAL जाति MEGHWAL निवासी 229-C SHRINATHPURAM, KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	रंग तालाब उर्फ काला तालाब, लाडपुरा (कोटा)	RAMLAL S/O SHYORAM JAATI- LASHKARI, R/O RAMDEV MANDIR KEPASS, NAYAPURA, KOTA, RAJASTHAN	178	16000	1.6
				कुल	1.6

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 21/12/2022 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, कोटा**

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3627 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 15.12.22

आवास संख्या 3-ए-9 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री पूरनमल गुप्ता पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री पूरनमल गुप्ता पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता के नाम दिनांक 31.03.1999 को किया गया। श्री पूरणमल गुप्ता पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता की मृत्यु दिनांक 09.12.2021 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत उनके समस्त वारिसानों अनिता गुप्ता पुत्री स्व. श्री पूरणमल गुप्ता, श्री दीपक गुप्ता पुत्र स्व. श्री पूरणमल गुप्ता, प्रीति गुप्ता पुत्री स्व. श्री पूरणमल गुप्ता पत्नी श्री पुष्कर पोरवाल एवं श्री अनिल गुप्ता पुत्र स्व. श्री पूरणमल गुप्ता द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 10.11.2022 को अपनी माता श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी स्व. श्री पूरणमल गुप्ता के पक्ष में किया गया। श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी स्व. श्री पूरणमल गुप्ता द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी स्व. श्री पूरणमल गुप्ता के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी स्व. श्री पूरणमल गुप्ता का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी स्व. श्री पूरणमल गुप्ता के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3690 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 21.12.22

आवास संख्या 10-बी-22 महावीर नगर पारिजात योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री राजीव कुमार केसरी को किया गया था। उक्त आवास का नियमितिकरण श्री दीप चन्द गुप्ता पुत्र श्री रामनारायण गुप्ता के पक्ष में करते हुए उक्त आवास का पंजीयन श्री दीप चन्द गुप्ता द्वारा उप पंजीयक कार्यालय में अपने पक्ष में दिनांक 03.03.1998 को करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात श्री दीप चन्द गुप्ता की मृत्यु हो जाने के बाद उक्त आवास का हस्तांतरण मृत्यु प्रकरण में श्रीमती कृष्णा गुप्ता पत्नी स्व. दीप चन्द गुप्ता के नाम दिनांक 04.01.2005 को किया गया। श्रीमती कृष्णा गुप्ता पत्नी स्व. श्री दीप चन्द गुप्ता की मृत्यु दिनांक 15.04.2021 को हो जाने पर सभी वारिसान (1) श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता (2) श्रीमती निर्मला गुप्ता (3) श्रीमती मधु गुप्ता (4) श्रीमती उषा गुप्ता पुत्री स्व. श्री दीप चन्द गुप्ता द्वारा उप पंजीयक कार्यालय में अपने दोनों सगे भाई श्री गिरिश गुप्ता एवं श्री विष्णु गुप्ता पुत्र स्व. श्री दीप चन्द गुप्ता के पक्ष में हक त्याग दिनांक 05.05.2022 को किया गया। हक त्याग के आधार पर उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन किये जाने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 15.12.2022 को आवेदन किया गया है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन किये जाने में किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री गिरिश गुप्ता एवं श्री विष्णु गुप्ता पुत्र स्व. श्री दीप चन्द गुप्ता के नाम संयुक्त रुप से किये जाने में किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री गिरिश गुप्ता एवं श्री विष्णु गुप्ता पुत्र स्व. श्री दीप चन्द गुप्ता के नाम मृत्यु प्रकरण के अन्तर्गत हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3489 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 01.12.22

आवास संख्या 10-K-1 महावीर नगर पारिजात योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री प्रभुलाल को किया गया था। उक्त आवास का पंजीयन दिनांक 30.04.2013 को श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री प्रभुलाल द्वारा उप पंजीयक द्वितीय कोटा में अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन पश्चात दिनांक 30.04.2013 को श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री प्रभुलाल द्वारा श्री सत्येन्द्र कौशल पुत्र श्री मांगीलाल कौशल को मुख्तार नामा आम घोषित किया गया। श्री सत्येन्द्र कौशल द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से दिनांक 06.10.2016 को जरिये विक्रय पत्र आलेखित श्री सत्येन्द्र कौशल पुत्र श्री मांगीलाल कौशल स्वयं के नाम उक्त आवास का विक्रय किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तान्तरण विक्रय पत्र के आधार पर श्री सत्येन्द्र कौशल पुत्र श्री मांगीलाल कौशल के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तान्तरण मुख्तार आम धारक श्री सत्येन्द्र कौशल पुत्र श्री मांगीलाल कौशल के नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तान्तरण श्री सत्येन्द्र कौशल पुत्र श्री मांगीलाल कौशल का नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

'ग्रामीण किसान आर्थिक उन्नति के गुर सीखेंगे'

■ 'उन्नत कृषि को देखो' भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (निसं)। धाकड़खेड़ी के 55 ग्रामीण उन्नति कृषि एवं सहकारी समितियों के माध्यम से मिलने वाले प्रोत्साहन को 5 जिलों में जाकर साझा करेंगे। तीन दिवसीय उन्नत कृषि को देखो भ्रमण कार्यक्रम के तहत गुरुवार सुबह 8.30 बजे सहकारी समिति धाकड़खेड़ी से रवाना होंगे।

समिति के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम ने बताया कि जागृत ग्रामीणों के दल को शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र त्यागी, पंचायत समिति लाड़पुरा के प्रधान नईमुद्दीन गुड्डु एवं कांग्रेस नेता पंकज मेहता हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यात्रा बूंदी, चित्तौड़, उदयपुर, अजमेर टोंक होती हुई तीन दिवस में कोटा पहुँच कर संपन्न होगी। कल द्वारा इस दौरान ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया जाएगा जिसमें खाटू श्याम जी, सांवरिया सेठ, अजमेर शरीफ एवं पुष्कर शामिल है। मोहम्मद सलीम ने बताया कि ग्रामीण कृषकों को उन्नत खेती व सहकारी समितियों से मिलने वाले प्रोत्साहन कि अधिक से अधिक जानकारी हो इसलिए उन्होंने अपने खर्चे पर उन्नत कृषि को देखो कार्यक्रम आयोजित किया है। इस दौरान मुख्य रूप से दीपक अजमेरा, घनश्याम कुशवाहा, ओम प्रकाश प्रजापति, राम लटूर मीणा, मुकेश गुर्जर सहित जागरूक ग्रामीण मुख्य रूप से हिस्सा ले रहे हैं।

'नदीपार क्षेत्र में चार साल में 500 करोड़ से अधिक के विकास कार्य हुए'

कोटा के नदी पार क्षेत्र में समाजसेवी अमित धारीवाल ने विकास कार्यों का शुभारंभ किया है।

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा में आधारभूत सुविधाओं सहित विकास के अन्य प्रोजेक्ट पूर्ण हो रहे है।

वहीं विकास कार्यों का सिलसिला जनमानस के अनुसार लगातार जारी है इसी कड़ी में बुधवार को नदी पार क्षेत्र की दर्जनों कॉलोनियों के निवासियों को आवागमन को लेकर एक और बड़ी सौगात दी है। नदी पार क्षेत्र के वार्ड नंबर 28 में सीसी रोड़ सहित सड़क के 4 करोड़ के कार्य शुरू किये गए। नगर विकास न्यास कोटा द्वारा करवाए जाने वाले इन कार्यों का शुभारंभ बुधवार को कांग्रेस नेता अमित धारीवाल ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया।

नदीपार क्षेत्र में नगर विकास न्यास पार्श्वनाथ प्लीजेंट से बजाज नगर रेलवे क्रॉसिंग तक सीसी सड़क, सुभाष नगर पंचवटी नगर में सीसी सड़क का निर्माण, रेलवे आरओबी से बजाज नगर तक सड़क कार्य के साथ पार्श्वनाथ रेजिडेंसी परवतीपुरम से हिम्मतनगर लाल एवं सड़क का निर्माण कार्य करवाये जायेगे। विकास कार्यों के शुभारंभ के मौके पर कार्यक्रम में पहुंचते ही कांग्रेस नेता अमित धारीवाल का क्षेत्र के सोसायटी के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत कर आभार जताया।

इस दौरान अमित धारीवाल ने कहा कि नदी पार क्षेत्र के वार्ड नंबर 28 में अब तक 22 करोड़ से अधिक के विकास कार्य करवाए जा चुके हैं आगे भी जनमानस के अनुसार विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी उन्होंने मौजूदा सरकार में नदी पार क्षेत्र में हुए 500 करोड़ से अधिक के कार्यों के बारे में भी क्षेत्रवासियों को जानकारी दी साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि एक सकारात्मक सोच के साथ कर्तव्य निभाने का जुनून लेकर जनता के बीच आते हैं जनकल्याण के कार्यों को इस सर्वोपरि रखा जाता है क्षेत्र में जो भी विकास कार्यों की दरकार होगी उनको पूर्ण करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मेवा लाल गुर्जर पार्षद दीपक नगर मोहन मेघवाल, प्रतीक सैनी उपसचिव चंदन दुबे अधीक्षण अभियंता ओपी दुबे सहित क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने का विरोध जताया

कोटा, (निसं)। कर्मयोगी रावण सरकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजाराम जैन कर्मयोगी रावण सरकार तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भवानीमंडी लंकेश दिनेश दिलवाला के द्वारा बुधवार को जिला कलेक्टर कोटा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस पहले जैन समाज द्वारा विरोध स्वरूप निकाली गई रैली को कर्मयोगी रावण सरकार द्वारा समर्थन दिया गया।

कर्मयोगी ने सेवन वंडर्स से ही रथ पर सवार होकर रैली में भाग लिया। उनके साथ में अर्धांगिनी अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाकार अलका दुलारी जैन कर्मयोगी भी मंदोदरी की भूमिका में उपस्थित रहीं। साथ ही, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भवानीमंडी लंकेश दिनेश दिलवाला अपनी अर्धांगिनी सहित रैली में भाग लेकर कलेक्ट्री पहुंचे। यहां पहुंचकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार कोटा की धरती पर कलाकार लंकाधिपति लंकेश परिवार ने जैन समाज के साथ खड़े होकर ज्ञापन प्रस्तुत किया है। हम आपकी भावनाओं का सम्मान रखते हुए इसे प्रधानमंत्री तक पहुंचाएंगे।

ज्ञापन में राजाराम जैन कर्मयोगी ने कहा कि पवित्र तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर जी को केंद्र एवं झारखंड राज्य सरकार द्वारा पर्यटन स्थल बनाए जाने की अदूरदर्शिता पूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। जिसके बाद विश्वव्यापी जैन धर्म अनुयायियों की आस्था को भारी आघात पहुंचा है। यह अविवेकपूर्ण सोच हैं। जिसका विरोध किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शाश्वत निर्वाण भूमि श्री सम्मेद शिखरजी का कण-कण परम पावन एवं पूजनीय है। जैन तीर्थंकर इसी भूमि पर परम सिद्ध बने और भविष्य में भी बनते रहेंगे।

विश्वव्यापी जैन श्रद्धालु पर्वतराज पर चढ़ने से पहले स्नान कर पवित्र वस्त्र पहन कर नंगे पैर पर्वत की धूली अपने मस्तक पर लगाकर पर्वत की वंदना करते हैं।

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी है।"वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की"धारा 13(2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी ने ऋण खातों के गैर निष्पादनीय आस्तियों (एन.पी.ए.) होने पर नीचे दी गई तालिका के अनुसार ऋणीयों/सह-ऋणीयों/गारण्टर बंधककर्ताओं (जिन्हें आगे ऋणी/ऋणीयों के नाम से सम्बोधित किया जायेगा) को 60 दिनों के नोटिस प्रेषित किये थे, नोटिस के अनुसार यदि ऋणी 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण ऋण राशि जमा नही करवाते है तो प्राधिकृत अधिकारी प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 उपधारा 4 व 14 के अन्तर्गत कदम उठाने हेतु स्वतंत्र होगा। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उसे प्रतिभूत आस्तियों का कब्जा लेने की शक्ति तथा उनका विक्रय करना सम्मिलित है। अतः आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि निम्न सूची में दी गई सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि भविष्य के ब्याज तथा खर्चों एवं लागतों इत्यादि के साथ 60 दिवस के भीतर जमा करवा दें। इसके अतिरिक्त आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 13(13) में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति के पश्चात प्रतिभूत लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना सूचना में निर्दिष्ट अपनी किन्ही प्रतिभूत आस्तियों को विक्रय द्वारा या पट्टे द्वारा अथवा किसी माध्यम से अन्तरित नहीं करेंगे। ऋणीयों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(8) सपठित नियम 3 (5) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अनुसार ऋणी अपनी बंधक सम्पत्ति को उसके द्वारा उपगत सभी खर्चों प्रभारों और व्ययों के सहित प्रतिभूत लेनदार द्वारा विक्रय या अन्तरण के लिये नीलामी सूचना के प्रकाशन से पूर्व किसी भी समय भुगतान करके मुक्त करवा सकते है।

ऋण खाता संख्या / ऋणी/सहऋणी/ बन्धकर्ता/गारन्टर का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
(खाता सं.) L9001060116576201 देवकरण मीणा (ऋणी), बंशी लाल (सह-ऋणी), श्रीमती रचना देवी (सह-ऋणी)	7 दिसम्बर 2022 ₹ 507358/- रु. पांच लाख सात हजार तीन सौ अठावन मात्र दिनांक 6 दिसम्बर 2022 तक	सम्पत्ति स्थित प्लॉट बंशी लाल ग्राम गुरडिया झाला, जिला - झालावाड़, राजस्थान, 326501 क्षेत्रफल 660 वर्ग फीट
(खाता सं.) L9001060118067034 & L9001060821609656 बद्री लाल (ऋणी), श्रीमती सुगना बाई (सह-ऋणी)	7 दिसम्बर 2022 ₹ 480066/- रु. चार लाख अस्सी हजार छियासठ मात्र व ₹ 521067/- रु. पांच लाख इक्कीस हजार सड़सठ मात्र दिनांक 6 दिसम्बर 2022 तक	सम्पत्ति स्थित नगरपालिका वृंदा विहार कॉलोनी प्लॉट नं. 24, भूमि का हिस्सा खसरा नं. 769, दीन बंदू कॉलोनी छत्रपुरा, जिला-बूंदी, राजस्थान, 326501 क्षेत्रफल 111.11 वर्ग गज
(खाता सं.) L9001070222259919 ओम प्रकाश (ऋणी), श्रीमती मीणा कुमारी (सह-ऋणी)	7 दिसम्बर 2022 ₹ 518095/- रु. पांच लाख अठारह हजार पिच्यानबे मात्र दिनांक 6 दिसम्बर 2022 तक	सम्पत्ति स्थित ग्राम पंचायत पट्टा नं. 30848, खसरा नं. 1762, गांव - कोटरादीपसिंह, जिला-कोटा, राजस्थान क्षेत्रफल 1520 वर्ग फीट

स्थान : कोटा — दिनांक: 21-12-2022 — प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

भूंगरा में सिलेंडर विस्फोट हादसा स्थल देख भर आया मंत्री शेखावत का दिल

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत हादसा स्थल पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बुधवार को सुबह हवाई मार्ग से जोधपुर पहुंचे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से भूंगरा के लिए रवाना हो गए। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सुबह भूंगरा स्थित सगतसिंह की ढाणी सहित आसपास की विविध ढाणियों में पहुंचे तथा हादसे में काल कलवित मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वे सर्वप्रथम सगत सिंह की ढाणी पहुंचे और हादसा स्थल का अवलोकन कर वस्तुस्थिति जानी।

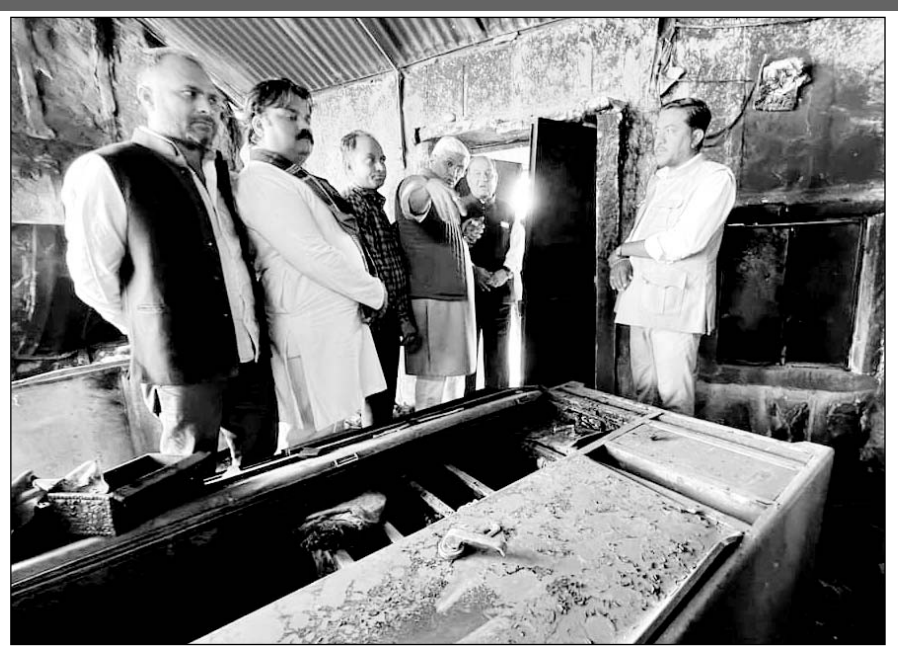

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सर्वप्रथम सगत सिंह की ढाणी पहुंचे और हादसा स्थल का अवलोकन कर वस्तुस्थिति जानी।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ढाणी में शोकसभा में पहुंचे और मृतकों के परिजनों को सांत्वना प्रदान की। शोक प्रकट कर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जाजम पर बैठकर पीड़ित परिवारों का दु:ख बांटा। उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक पीड़ित परिवार के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी महसूस करता हूं। हादसे के बाद से ही मैं ज्यादा से ज्यादा मदद उपलब्ध कराने को निरंतर प्रयासरत हूं। यह समय खुले हृदय और हाथ से सहायता का है।

ग्रामीणों ने शेखावत को बताया कि विवाह कार्यक्रम के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने से विस्फोट हुआ। सिलेंडर फटने से अफरा-तफरी मच गई। अनेक लोग चपेट में आ गए। हादसा स्थल को देख केन्द्रीय मंत्री शेखावत का दिल भर आया और उन्होंने कहा कि यह भयावह हादसा था, जो प्रभावित हुए, उनके परिजन जीवन में इसे भुला नहीं सकेंगे। जो हुआ, बहुत दु:खद है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रत्येक पीड़ित परिवार के प्रति मैं व्यक्तिगत जिम्मेदारी महसूस करता हूं। हादसे के बाद से ही मैं ज्यादा से ज्यादा मदद उपलब्ध कराने को निरंतर प्रयासरत हूं। यह समय खुले हृदय और हाथ से सहायता का है। केन्द्रीय मंत्री ने खेत सिंह जी की ढाणी-राजेंद्र नगर (भूंगरा), प्रभुदान जी की ढाणी, रणछोड़ सिंह की ढाणी, बहादुर सिंह की ढाणी, गजे सिंह सत्ता भाटियो की ढाणी, रायसर भीमजी की ढाण, रायसर नायो की ढाणी, भालू राजवा गिरधार सिंह की ढाणी, मेरिया डेरिया रण जी भटियो की ढाणी, भीम सिंह की ढाणी, बस्तवा सांग सिंह की ढाणी, बेलवा राणा जी भीम की ढाणी भी पहुंचे तथा संवेदना जताई। हादसे के पीड़ितों के परिजनों को ढांढस बंधाया और पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस दौरान पूर्व मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, पूर्व मंत्री भेराराम सियोल, भाजपा जोधपुर शहर ज़िला अध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, जिला अध्यक्ष देहात दक्षिण मनोहर पालीवाल, फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई, पूर्व विधायक शैतान सिंह, पूर्व विधायक जोगाराम पटेल,पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन सिंह भाटी, तिंवरी प्रधान गुड्डी, महापौर दक्षिण वनिता सेठ, पूर्व कुलपति डॉ. गुलाब सिंह चौहान, सवाई सिंह इंदा, राणोसा प्रताप सिंह, किशन सिंह गिलकोर, संगीता सोलंकी, महेन्द्र मेघवाल, धनजय खींवसर, कमलेश पुरोहित,आनद सिंह देनोक, विक्रमादित्य सिंह,महेन्द्र सिंह, मनीष सहित अनेक भाजपा नेता उनके साथ थे।

इसके साथ ही केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने 1971 भारत-पाक युद्ध में लोगेंवाला के हीरो पूर्व सैनिक सेना मैडल नायक भैरोसिंह राठौड़ के पैतृक गांव सोलंकियातला पहुंचे तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया।

ए.एस.आई. पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी ने एएसआई अर्जुन लाल मीणा के आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी भी शुरू की

पुलिस थाने में तैनात एएसआई अर्जुन लाल मीणा को (घेरे में) एसीबी ने कार्रवाई कर गिरफ्तार किया।

देवली, (निसं)। शहर के पुलिस थाने में कार्यरत एएसआई को 5000 की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने गिरफ्तार किया। ब्यूरो की टीम ने एएसआई अर्जुन लाल मीणा के आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी भी शुरू कर दी है। बुधवार को यहां एसीबी टोंक ने कार्रवाई करते हुए बताया कि शहर के पुलिस थाने में तैनात अर्जुन लाल मीणा सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना देवली को 5000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

■ पुलिस थाने में दर्ज एक प्रकरण रिपोर्ट में कार्रवाई नहीं करने की एवज में रिश्वत देने का दबाव

ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई। परिवादी ने बताया कि उसके विरुद्ध पुलिस थाने में दर्ज एक प्रकरण रिपोर्ट में कार्रवाई नहीं करने की एवज में एएसआई अर्जुन लाल मीणा उस पर 50 हजार रुपए की रिश्वत देने का दबाव बनाए हुए है और बार-बार रिश्वत की राशि देने के लिए परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी अजमेर के उपमहानिरीक्षक समीर सिंह के सुपरविजन में एसीबी इकाई टोंक के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया।

रिश्वत मांगने वाले मामले में सत्यापन हो जाने के बाद महानिदेशक भगवान लाल सोनी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने एक टीम गठित कर मामले में कार्रवाई किए जाने पर आदेश जारी किए। गठित टीम ने एएस आई को ट्रेस किए जाने की कार्रवाई करते हुए अर्जुन लाल मीणा पुत्र जयनारायण मीणा निवासी मीणा का नया गांव तहसील सावर जिला अजमेर हाल सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना देवली जिला टोंक को परिवादी से 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन पर आरोपी के निवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी ली जा रही है।

यह भी बताया कि एसीबी टोंक द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार बुधवार को प्रात: 11 बजे के आसपास एंटी करप्शन ब्यूरो टोंक ने यह रिश्वत लिए जाने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाने में तैनात एएसआई अर्जुन लाल मीणा को गिरफ्तार किया है। ए एसआई अर्जुन लाल मीणा को रिश्वत लिए जाने के बाद आसपास एसीबी टीम की मौजूदगी का आभास हो गया था।

एसीबी टीम का आभास होने पर ए एसआई अर्जुन लाल मीणा बुरी तरह घबरा गया तब ही ए एस आई मीणा ने अपनी बाइक लेकर फरार होने की पुरजोर कोशिश की परंतु सफल नहीं हो सका। और शहर के ममता सर्किल स्थित मोबाइल की दुकान में घुस गया। जहां भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने अर्जुन लाल मीणा को दबोच लिया। इस दौरान एएसआई अर्जुन लाल मीणा खुद को निर्दोष बताते रहा।

अपने आप स्टार्ट होकर चल पड़ी बस, आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती कालवी बस स्टेण्ड के पास में आज दोपहर में खड़ी निजी बस में अचानक से स्टार्ट होने के बाद चल पड़ी। देखते ही देखते इस बस में आग लग गई और जलकर खाक हो गई। जलती बस का वीडियो भी वायरल हुआ है। कुछ युवकों ने चलती और जलती हुई इस बस के आगे पत्थर डालकर रोकने का प्रयास भी किया, मगर बस फुटपाथ हल्की टकराने के बाद ही रूक पाई। एकबारगी वहां पर यातायात जाम लग गया। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शास्त्रीनगर एवं नागौरी गेट से दो दमकलों ने मिलकर आग पर काबू पाया।

नागौरी गेट फायर स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर 12 बजे सूचना मिली कि आरटीओ के पास में निजी बस स्टेण्ड कालवी प्याऊ के समीप एक बस में आग लगी है। इस पर एक गाड़ी के साथ फायरमैन गैनाराम, दलीप सिंह, रोहित एवं अमित कुमार वहां पहुंचे। बस में लगी आग की भीषणता को देखते हुए एक अन्य गाड़ी शास्त्री नगर फायर स्टेशन से बुलाई गई।

दोनों गाडिय़ों ने मिलकर करीबन आधे घंटे में आग को काबू कर लिया। मगर तब तक बस आग से पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार बस खड़ी थी और अचानक से स्टार्ट होकर निकल गई। बाद में संभवत: इंजन में शार्ट सर्किट होने से यह आग लगी होगी। सबसे चौकानें बात सामने आई की बस स्टार्ट होने के साथ वह धीरे- धीरे आगे भी बढने लगी। कुछ युवकों ने पत्थर डालकर बस को रोकने का प्रयास किया। मगर नाकाम रहे। बाद में बस फुटपाथ से हल्का टकराने के बाद रूक गई। इस बीच दमकल की गाडिय़ां भी पहुंच गई।

दो फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। द्वितीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा में परीक्षा देने आए दो फर्जी परीक्षार्थियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। शहर के सवीना थाना क्षेत्र एकलिंगपुरा स्थित रा.उ.मा. वि. में आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के दौरान बुधवार को संदिग्ध जारोल निवासी मनोहरलाल पुत्र हिरालाल विश्नोई को गिरफ्तार किया।

मनोहरलाल प्रथम श्रेणी अध्यापक बताया जाता है। इसी तरह विद्याभवन सी. सैकण्ड्री स्कूल में प्रकाश चन्द्र लूर की जगहर पर नरेन्द्रसिंह परीक्षा देने आया था। जिसकी संदिग्ध गतिविधी होने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नगर परिषद कमिश्नर के चैंबर के बाहर लापता के पोस्टर

अलवर, (निसं)। अलवर नगर परिषद कमिश्नर के चैंबर के बाहर दो पार्षदों ने कमिश्नर के लापता के पोस्टर लगा दिए। पार्षदों ने कहा कि आयुक्त 10 दिन से दफ्तर नहीं आ रहे। जिसके कारण जनता भटक रही है। उनके कामकाज नहीं हो पा रहे।

वार्ड 10 से महेश नायक व 11 से देवेंद्र रसगनिया ने पोस्टर लगा कर विरोध जताया है। पोस्टर पर यह भी लिखा कि कमिश्नर का पता बताने पर 100 रुपए का इनाम दिया जाएगा। पार्षद देवेंद्र रसगनिया ने कहा कि कमिश्नर पिछले लगातार 10 से 12 दिनों ऑफिस नहीं आ रहे। कच्ची बस्ती के पट्टों की सुध नहीं है। दूसरे पट्टों के काम अटके हुए हैं। कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी नदारद रहते हैं। सभापति लागतार सीट पर दिखते हैं। लेकिन आयुक्त के बिना काम नहीं

■ नगर परिषद पार्षद बोले 10 दिन से नहीं आ रहे दफ्तर

हो पाते हैं। इस कारण आयुक्त के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं। ताकि आयुक्त जनता के कामों के प्रति गंभीर हो सके। आयुक्त के खिलाफ पार्षद रसगनिया ने कुछ दिन पहले दंडौती देकर विरोध जताया था।

उस समय पार्षद का कहना है कि उनके वार्ड 10 व 11 में कोई काम नहीं हो रहे। जनता परेशान है। विकास के कामकाज ठप हैं। अब गुमशुदा के पोस्टर लगा दिए। इससे पहले भी पार्षद ने कई बार अलग-अलग तरीके से विरोध जताया है।

कल से दौड़ेगी सालासर एक्सप्रेस

सुजानगढ़, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा कोहरे के बहाने से तीन माह के लिए बंद की गई सालासर एक्सप्रेस कल शुक्रवार से फिर से पटरियों पर दौडेगी। सालासर बालाजी के दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं सहित क्षेत्र के निवासियों के लिए दिल्ली से जोधपुर तक के लिए सीधी रेल सेवा थी। जिसके बंद होने से जोधपुर से दिल्ली का सफर करने वाले यात्रियों को परेशान होना पड रहा था। लाडनूं निवासी कोलकाता प्रवासी व उत्तर पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य अनिल कुमार खटेड ने बताया कि रेलवे द्वारा कोहरे का बहाना कर तीन महीने के लिए सालासर एक्सप्रेस का संचालन बंद कर दिया गया था। जिसके पश्चात उनके द्वारा प्रयास किए गए, साथ ही नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल, चूरू सांसद राहूल कस्वां ने भी लगातार पत्र व्यवहार कर रेल मंत्रालय पर दबाव बनाया। जिसके चलते रेलवे द्वारा आगामी 23 दिसम्बर से सालासर एक्सप्रेस के पुन: संचालन के आदेश दिए हैं। पार्षद डॉ. शर्मिला सोनी ने बताया कि इस ट्रैन का संचालन होने से यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा।

हरियाणा सीमावर्ती क्षेत्र राजगढ़ में छाया कोहरा

सादुलपुर, (निसं)। उपखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अचानक मौसम के करवट लेने पर कोहरे के चलते माह दिसंबर महीने में बढी ठण्ड के कारण बुधवार को आमजन का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं दिसम्बर माह के सीजन का पहला कोहरा अल सुबह देखने को मिला।

■ कोहरा छाने के बढी ठण्ड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

हांलाकि अंचल में सोमवार से ही मौसम परिवर्तन होने से हल्की बादलवाही से सुबह एवं शाम को ठंड बरकरार रही तथा मंगलवार अलसुबह हरियाणा सीमा से सटा क्षेत्र राजगढ के हरियाणा सीमावृति क्षैत्र के गाँव बीरान, बालाण, सुधीवास, भाकरां, खैरू बड़ी, राघा बड़ी, राघा छोटी, कामाण, भोजाण व जीराम बास आदि सहित तहसील भर के गाँवो में अचानक एकाएक सुबह 8 बजे तक कोहरे का असर रहा। इस दौरान आमजन एवं यातायात प्रभावित होने के वाहन चालको को दिन में ही लाईट जलाकर चलाना पड़ा।

लगभग 1 घंटे पश्चात धूप निकली, लेकिन बादलवाही होने से दिनभर धूप का असर फिका रहा। ग्रामीण नेतराम मेहरा ने बताया की अंचल में दिन में गत दिनों लगातार तेज धूप होने से किसानों को मायूसी छाई हुई थी, जिससे फसलों में नुकसान होने की आशंका हो रही थी, लेकिन दिसंबर महीने में सीजन का पहला कोहरा फसलो के लिए वरदान साबित होगा तथा कोहरे के चलते किसान भी खुश नजर आए। किसान हरि सिंह मील ने बताया कोहरे के साथ-साथ अगर पश्चिमी विक्षोभ के साथ दिसंबर या जनवरी महीने में मावठ हो जाती है तो रबी की फसलों में भरपूर फायदा मिलेगा एवं अच्छी पैदावार होने की उम्मीद हो जाती है।

दो बच्चों के साथ पानी की टंकी पर चढ़ी महिला

पति से भरण पोषण का खर्चा और प्रोपर्टी में हिस्सा दिलाने की मांग

अनूपगढ़, (कासं)। रावला मंडी के वार्ड नंबर सात में एक महिला अपने दो बच्चों के साथ पानी टंकी पर चढ़ गई। महिला अपने पति से भरण पोषण के लिए खर्ची और प्रोपर्टी में हिस्सा दिलाने की मांग कर रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन अधिकारी महिला से समझाइश कर टंकी से नीचे उतारने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल महिला अपनी मांग पर अड़ी हुई है और टंकी से उतरने के लिए मना कर दिया है। थानाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि महिला से बात कर समझाइश का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस उप अधीक्षक जयदेव सिहाग ने बताया कि वार्ड नंबर सात निवासी सुनीता पत्नी राकेश का अपने पति से विवाद चल रहा है। और दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। महिला ने अपने पति व परिजनों पर भरण पोषण का खर्चा नहीं देने का आरोप लगाया है। पति से भरण पोषण का खर्चा दिलाने व प्रॉपर्टी बच्चों के नाम कराने की मांग को लेकर बुधवार को पानी की टंकी पर चढ़ गई। फिलहाल महिला से समझाइश की जा रही है और से नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है। महिला द्वारा पहले भी ऐसा प्रयास किया जा चुका है। दोनों पक्षों में पंचायत के माध्यम से समस्या के निस्तारण प्रयास किया गया था। महिला का आरोप है कि उसके पति और ससुराल के लोगों के द्वारा उसे प्रॉपर्टी में हिस्सा नहीं दिया जा रहा है, जो कि उसका हक बनता है। इस दौरान वहां समाज व आसपास के लोग एकत्रित हो गए।

नाबालिग से देह शोषण का मामला दर्ज

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। थाना क्षेत्र की एक नाबालिग छात्रा के साथ युवक द्वारा लगातार दो साल से देह शोषण करने का मामला पीड़ित नाबालिग छात्रा के पिता द्वारा रामगढ़ पचवारा थाने में दर्ज कराया गया है। नाबालिग छात्रा के पिता द्वारा थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि लालसोट थाना क्षेत्र के रहने वाले आरोपी विष्णु सैनी द्वारा नाबालिग बेटी के साथ करीब दो साल से देह शोषण किया गया।

■ पिता ने पुलिस में मामला दर्ज कर बताया कि आरोपी दो साल से नाबालिग का देह शोषण कर रहा था

हाल ही में नाबालिग छात्रा की सगाई कर दी गई थी जहां पर आरोपी युवक द्वारा सगाई वाली जगह पर पहुंचकर गलत तरीके से नाबालिग छात्रा के प्रति कमेंट करने के बाद सगाई भी टूट गई। पूरे मामले को लेकर रामगढ़ पचवारा थाना अधिकारी अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी युवक की रिश्तेदारी भी पीड़ित नाबालिग के गांव में होने के कारण वह संपर्क में आया था। वही नाबालिग छात्रा के साथ देह शोषण आदि आरोपो की प्राथमिकी प्राप्त होने पर पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है एवं आरोपी की धरपकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक ही परिवार के तीन लोग कुएं में कूदे, मौत

पाली, (निसं)। पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र में बुधवार को दिल दहलाने वाली घटना11 सामने आई है। बीमार 3 साल के मासूम को उपचार के लिए परिवार ले जा रहा था। बीच रास्ते में उसकी मौत होने से डिप्रेशन में आए। मृतक के माता-पिता अपनी 4 साल की बेटी और मृत बेटे के साथ कुएं में कूद गए। डूबने से तीनों की मौत हो गई।

■ बीमार बेटे की मौत के गम में माता-पिता ने चार साल की बेटी के साथ कुएं में कूद जान दी

पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें 3 साल के बेटे की बीमारी से मौत होने से डिप्रेशन में आकर यह कदम उठाने की बात लिखी है। पुलिस ने मृतकों की बॉडी रोहट हॉस्पिटल में रखवाई है और सुसाइड नोट कब्जे में लिया है। रोहट उदयसिंह ने बताया कि पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र के सांझी गांव निवासी 30 साल के भलाराम मेघवाल के 3 साल के बेटे भीमाराम की पिछले कुछ दिनों से तबीयत खराब थी। बुधवार को वह अपनी पत्नी मीरा और 4 साल की बेटी नगीना को साथ वह बीमार बेटे भीमाराम को डॉक्टर को दिखाने रोहट के लिए रवाना हुआ। लेकिन बीच रास्ते 3 साल के भीमाराम की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और उल्टी आने से उसकी हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। बेटे की मौत से भलाराम मेघवाल और उनकी पत्नी मीरा की रोने लगे और काफी डिप्रेशन में आ गए।

बेटे की मौत का गम उन पर इतना हावी हो गया कि वे सांझी गांव के निकट एक कुएं में मृत बेटे भीमाराम के साथ कूद गए। डूबने से सांझी गांव (रोहट) निवासी 30 साल के भलाराम पुत्र बींजाराम मेघवाल, उनकी 23 साल की पत्नी मीरादेवी और 4 साल की बेटी नगीन की मौत हो गई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद तीनों मृतकों के साथ बीमारी से मरे 3 साल के मासूम भीमाराम की बॉडी भी कुएं से निकाली। जिसे रोहट हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

दुष्कर्म का आरोपी चाचा गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। शहर के कोतवाली क्षैत्र में अपनी सगी भतीजी को दुष्कर्म का शिकार बना रिश्तों को कलंकित करने वाले चाचा को महिला थाना पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सगे चाचा सलीम ने अपनी ही 17 साल की नाबालिग भतीजी के साथ डेढ महीने तक इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया था। महिला थाना के सीआई सुखराम चोटिया ने बताया कि 17 नवम्बर को नाबालिग लड़की के पिता ने रिपोर्ट दी थी कि 17 नवम्बर की शाम को जब वह मजदूरी करके घर आया तो उसकी पत्नी ने बताया कि छोटे भाई ने उसके साथ झगड़ा किया है।

झगड़े के दौरान नाबालिग बेटी ने बताया कि चाचा उसके साथ पिछले डेढ महीने से रात के वक्त मौका पाकर गलत काम करता आ रहा है। जब उसकी मां ने नाबालिग बेटी से इस सम्बन्ध में पूछा तो उसने रो कर आरोपी चाचा द्वारा दुष्कर्म किये जाने की बात बताई। आरोपी चाचा ने उसे धमकी दी थी कि किसी को अगर बताया तो वह उसे जान से मार देगा। नाबालिग पीडिता ने बताया कि उसकी चाची गर्भवती है इसलिये वह अपने पीहर गई हुई। उसके चाचा ने एक रात जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद लगातार उसे ब्लेकमैल कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। महिला थाना पुलिस ने आरोपी चाचा सलीम के खिलाफ आईपीसी और पोक्सो की संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

चामुंडा माता मंदिर में साथी पुजारियों ने की पुजारी की हत्या?

बताया जाता है कि दस साल पहले यह पुजारी धर्मांतरण करके हिन्दू बना था

धौलपुर, (निस)। बाड़ी उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के गांव टोंटरी में बुधवार सुबह पार्वती नदी के किनारे एक प्लास्टिक के बैग में 4 हिस्सों में कटा हुआ शव बरामद हुआ। स्थानीय चरवाहों ने शव देखा और ग्रामीणों को सूचा दी। शव मिलने से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने पुलिस को पार्वती नदी के किनारे एक प्लास्टिक के कट्टे में शव होने की सूचना मिली।

■ एसपी और एफएसएल टीम पहुंची मौके पर, जांच शुरू

मौके पर कंचनपुर थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने कट्टा खोला तो उसके अंदर चार हिस्सों में कटा हुआ शव निकला। शव की पहचान टोंटरी गांव में चामुंडा माता के मंदिर के पुजारी वहाबुद्दीन (70) पुत्र शेरखान के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि वहाबुद्दीन करीब 10-12 वर्ष पूर्व धर्म परिवर्तन कर हिंदू बन गया था। इसके बाद से ही वह टोंटरी गांव के जंगल में स्थित चामुंडा माता के मंदिर के पुजारी के रूप में सेवा कर रहा था। वह इसी मंदिर में निवास भी करता था। यह मंदिर पूरी तरह से बीहड़ों में स्थित है। यहां तक पहुंचने का रास्ता भी बेहद दुर्गम है। जांच कर रही पुलिस ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि मंदिर के पास की गुफा में रहने वाले कुछ अन्य साधुओं का मृतक पुजारी से विवाद चल रहा था। ये साधु मौके से फरार भी हैं। ऐसे में पुलिस का प्रथम दृष्टया मानना है कि पुजारी की हत्या में उन्हीं लोगों का हाथ है।

पार्वती नदी किनारे चार हिस्सों में कटा हुआ शव प्लास्टिक के बैग से बरामद हुआ।

पुलिस ने इस दिशा में भी जांच शुरू कर दी है। इस सम्बंध में धर्मेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक, धौलपुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया जिन लोगों पर शक है उनके बारे में पुलिस ने काफी जानकारी जुटा ली है। यदि पुलिस का शक सच साबित हुआ तो जल्द ही सभी हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

नामी मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल तांबी गिरफ्तार

एनसीबी की टीम ने एनडीपीएस कोर्ट की लिंक कोर्ट में पेश किया, जहां से 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा

- पंद्रह मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए।
- एनसीबी और ड्रग कंट्रोल की टीम ने 29 नवंबर की रात को संयुक्त कार्रवाई कर डॉ. तांबी के मालवीय नगर स्थित घर पर छापा मारकर बड़ी संख्या में एडीपीएस श्रेणी की दवाईयों की खेप जब्त की थी।

जयपुर,(कासं)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने मंगलवार को जयपुर में नामी साइक्राइटिस्ट डॉक्टर अनिल तांबी को गिरफ्तार कर लिया। एनसीबी टीम ने डॉ. तांबी को एनडीपीएस कोर्ट की लिंक कोर्ट में पेश किया,जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

ड्रग कंट्रोल की टीम ने आज इस मामले में जयपुर के 15 रिटेल मेडिकल स्टोर के लाइसेंस भी कैंसिल किए है। 29 नवंबर को ही इन दुकानों पर टीम ने छापा मारकर एविल दवाईयों की खरीद-फरोख्त में बड़ी गड़बड़ी पाई थी।

गौरतलब है कि डॉ. तांबी के घर पर 29 नवंबर की रात को एनसीबी और ड्रग कंट्रोल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापा मारा था, जहां से बड़ी संख्या में एडीपीएस श्रेणी की दवाईयों की खेप जब्त की थी।

इस दौरान टीम ने चांदपोल स्थित राजस्थान मेडिकल एण्ड प्रोविजन स्टोर के यहां छापा मारा था,जिसमें मेडिकल स्टोर के एक गोदाम से बड़ी संख्या में दवाईयां जब्त की है। यह गोदाम बिना लाइसेंस के संचालित कर रखा था। इस दौरान टीम ने एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया था। इस मेडिकल स्टोर का लाइसेंस उसी दिन निरस्त कर दिया गया था। जांच में मिले इनपुट के आधार पर टीम डॉ. अनिल तांबी के मालवीय नगर स्थित घर पर पहुंची थी।

डॉ. तांबी के घर से ड्रग कंट्रोल टीम को मेडिकल स्टोर से 360 की दवाई को 500 रुपए में बेचने के साक्ष्य मिले थे। इसके साथ ही यहां से बड़ी संख्या में एनडीपीएस श्रेणी की दवाएं एविल इंजेक्शन की खेप रखी मिली थी। इसके बाद एनसीबी ने इस पूरे मामले में केस बनाया था। इसके तहत मंगलवार को डॉ. तांबी को गिरफ्तार कर लिया गया। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि 29 नवंबर को जिन 15 दुकानों पर छापे मारे गए उनकी जांच में पाया गया कि इन मेडिकल स्टोर संचालकों की ओर से राज्य में सीएण्डएफ होने के बाद भी राज्य के बाहर से दूसरी फर्मो से एविल इंजेक्शन की खेप खरीदी और उनकी बिक्री की। पिछले 8 महीने के दौरान 2 लाख इंजेक्शन इसी तरह बेचे गए। वहीं इसमें ये पाया गया कि करीब 14 हजार इंजेक्शन तो बिना डॉक्टर्स की पर्ची के और बिना बिल के बेचे गए। ये इंजेक्शन नशे के उपयोग में किए गए। इसके चलते 15 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस बुधवार निरस्त किए गए है।

ड्रग कंट्रोल विभाग ने आज जेडीए कॉलोनी आगरा रोड स्थित कमल मेडिकल एंड प्रोविजन स्टोर, झालाना डूंगरी स्थित श्री धनराज मेडिकल, झालाना मालवीय नगर स्थित वी.जे. फार्मास्यूटिकल्स, झालाना जगतपुरा रोड स्थित नवीन मेडिकल, दिल्ली बाइपास गलता गेट स्थित वैश्नवी मेडिकल, प्रधान मार्ग मालवीय नगर स्थित न्यू लाइफ केयर, कुम्भा मार्ग टोंक रोड स्थित बालाजी मेडिकल, रामनगरिया जगतपुरा स्थित विक्रम मेडिकल, रीको कूकस स्थित श्री साईं मेडिकल, रामगंज स्थित शांति मेडिकल, चौरडिया पेट्रोल पंप सांगानेर स्थित सक्षम मेडिकल, दिल्ली बाइपास आमेर रोड स्थित लाइफ केयर फार्मा, रामगंज बाजार बाबू का टिब्बा स्थित कान्हा मेडिकल, मच्छ की पीपली गोनेर रोड स्थित श्री गायत्री मेडिकल और सिद्धार्थ नगर गैटोर मालवीय नगर स्थित शुभम मेडिकल का लाइसेंस रद्द किया है।

'बिना एनओसी व्यावसायिक गतिविधियां क्यों?'

जयपुर, (का.सं.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बेंच ने नाहरगढ़ किले में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने के लिए वन विभाग की एनओसी लिए बिना सीधे वाइल्ड लाइफ एनओसी जारी करने पर केंद्र सरकार, नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ सहित राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इसी तरह अधिकरण ने जयगढ़ किले में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन को लेकर भी केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अधिकरण ने यह आदेश राजेन्द्र तिवारी के प्रार्थना पत्रों पर दिए।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि नाहरगढ़ किले में व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के लिए एनजीटी ने आदेश दिए थे। वहीं बाद में सुप्रीम कोर्ट ने पुरातत्व विभाग के पक्ष में स्टे दे दिया। इसके बाद वन और पुरातत्व विभाग ने मिलकर नाहरगढ़ फोर्ट में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस लेने की कार्रवाई शुरू कर दी। इसके लिए पुरातत्व विभाग ने वन विभाग को प्रस्ताव भेजा और वन विभाग ने इस प्रस्ताव को नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड को यह प्रस्ताव भेजा। जहां गत 4 नवंबर 2022 को वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस मिल गई। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस लेने से पहले वन विभाग की एनओसी लेनी जरूरी है, लेकिन इस मामले में तथ्य छिपाते हुए सीधे ही वाइल्ड लाइफ क्लियरेंस ले लिया गया।

एसिकॉन की कॉन्फ्रेंस में हार्मोंस से जुड़ी बीमारियों पर चर्चा होगी

एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसिकॉन 2022) की 51वीं वार्षिक कांफ्रेंस का उद्घाटन में डॉ. प्रकाश केसवानी, डॉ. सैलेश लोढ़ा (बीचमें), डॉ. सुधीर भंडारी (बायें से दूसरे), डॉ. बलराम शर्मा, डॉ. प्रेम प्रकाश पाटीदार, डॉ. राजीव कासलीवाल, डॉ. मनोज खंडेलवाल, डॉ. अजय शाह उपस्थित रहे।

जयपुर, (का.सं.)। एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसिकॉन 2022) के 51 वें वार्षिक कांफ्रेंस की शुरुआत राजधानी जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में बुधवार को हुई। जबकि इसका औपचारिक उद्घाटन 22 दिसंबर को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. संजय सारण ने बताया कि एसिकॉन 2022 के साइंटिफिक कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में डॉ. प्रकाश केसवानी, डॉ. सैलेश लोढ़ा डॉ. सुधीर भंडारी, डॉ. बलराम शर्मा, डॉ. प्रेम प्रकाश पाटीदार, डॉ. राजीव कासलीवाल, डॉ. मनोज खंडेलवाल, डॉ. अजय शाह उपस्थित रहे। कांफ्रेंस में देश विदेश के 2000 डॉक्टर्स एक छत के नीचे जमा हुए हैं, जहां वह हार्मोंस से जुड़ी बीमारियों पर चर्चा के साथ ही इनसे बचाव व उपचार पर विचार साझा करेंगे। कांफ्रेंस के पहले दिन कई टॉपिक्स पर चर्चा और वर्कशॉप भी आयोजित की गई।

डॉ. सैलेश लोढा ने डायबिटीज और डॉ. प्रकाश केसवानी ने थायराइड जैसी बीमारी पर रोशनी डालते हुये बताया कि जहां इन बीमारियों के रिवर्स यानी जड़ से मिटने पर चर्चा की गई। डायबिटीज और थायराइड जैसी बीमारियों को लेकर लोगों में बहुत भ्रांतियां फैली हैं, जिन्हे दूर करने की जरूरत है। डायबिटीज के उपचार के साथ जागरूकता बहुत जरूरी है, इसके लिए अपने लाइफ स्टाइल के साथ एक्सरसाइज और खानपान को लेकर अवेयरनेस जरूरी है। वहीं डॉ. केसवानी ने थायराइड के दो प्रकार हाइपो थैरिडिज्म और हाईपर थैरिडिज्म होते हैं बताया, दोनो ही टाइप का डायग्नोसिस बहुत जरूरी है, इसके लिए समय रहते जांच करा लेना चाहिए ताकि बीमारी से बचा जा सके। इस बीमारी को जड़ से कैसे मिटाया जा सके इस पर भी चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से आए इंडोक्रेनोलोजिस्ट और इन्सुलिन पंप थेरेपी स्पेशलिस्ट डॉ. तरुण मिश्रा ने एक वर्कशॉप में देश और विदेश से आए डॉक्टर्स को संबोधित करते हुए इन्सुलिन पंप थेरेपी का लाइव डेमो दिया ताकि वह मरीजों तक इसके फायदे पहुंचाने का काम कर सकें। इन्सुलिन पंप एक डिवाइस है जो आर्टिफिशियल पैंक्रियाज की तरह काम करता है। यह डिवाइस शुगर पीड़ितों के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन है, जो मरीज को डायबिटीज फ्री होना सुनिश्चित कर सकता है।

महापौर सौम्या गुर्जर ने देर रात शहर के रैन बसेरों में व्यवस्थाएं जांची

-कार्यालय संवाददाता-

- फुटपाथ पर सर्दी से ठिठुरते लोगों को नजदीकी शेल्टर होम में पहुंचाया

जयपुर। ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने मंगलवार देर रात 11 बजे से अलसुबह 3 बजे तक शहर के कई रैनबसेरों (शेल्टर होम) का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची। उन्होंने अफसरों को रैन बसेरों में माकूल व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। सौम्या गुर्जर ने सांगानेर थाने के सामने पुलिया के नीचे बने रैनबसेरे से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद वे सांगानेर, महारानी फार्म, त्रिवेणी नगर पुलिया, अजमेर रोड 200 फीट बाइपास, गौरव टावर, गांधी नगर रेलवे स्टेशन, जेके लोन अस्पताल के मुख्य द्वार के पास रामनिवास बाग गेट के पास, विद्याधर नगर स्थित आदि अस्थाई रैनबसेरों एवं थड़ी मार्केट स्थित स्थाई रैनबसेरों का निरीक्षण करने पहुंची। सांगानेर थाने के सामने पुलिया के नीचे बने रैनबसेरे में महापौर जब पहुंची तो वहां सो रहे लोगों की संख्या के बारे में महापौर ने वहां मौजूद सुरक्षा गार्डों से पूछा तो उन्होंने बताया कि यहां 80 लोग सो रहे हैं, जबकि इस रैनबसेरे में 100 लोगों की रुकने की व्यवस्था है। निरीक्षण के दौरान महापौर को सड़क के किनारे फुटपाथ पर कई लोग खुले में कम्बल चादर में ठिठुरते दिखे, जिस पर उन्होंने मौके पर गाड़ी रोककर उनसे बात की। इस पर मालूम चला कि पंजीकरण के लिये आवश्यक दस्तावेज नहीं होने की वजह से उन्हें एंट्री नहीं मिली। महापौर ने उन्हें पास के रैनबसेरे में ले जाकर उन्हें सोने-रहने की जगह दिलवाई।

महापौर ने महारानी फार्म स्थित रैनबसेरों में सो रहे कुछ लोगों से बात की और पूछा कि यहा कब से सो रहे हो। तो उन में से एक दो लोगों ने बताया कि वे मजदूरी के लिए जयपुर आए हैं और यहां पिछले एक माह से रह रहे है। इस दौरान कुछ लोगों ने पूछताछ में बताया कि यहां खाना एवं रहना तो फ्री मिल रहा है, लेकिन सुबह जब पास के सुलभ शौचालय में जाते है तो वहां नहाने-धोने के 10 से 15 रुपये लेते है जबकि हम उनको शेल्टर होम की पर्ची दिखाते है, तो भी ये नहीं मानते है। इस पर महापौर ने तुरंत जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

पुलिस अफसरों पर कार्रवाई वाले आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग के बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में कोटा की पॉक्सो कोर्ट-4 के 21 नवंबर के उस आदेश की क्रियांविति पर रोक लगा दी है, जिसमें डीजीपी को 12 दिसंबर को कोर्ट में खुद या प्रतिनिधि को हाजिर होकर यह बताने के लिए कहा था कि उन्होंने 23 अगस्त के आदेश की पालना क्यों नहीं की। वहीं डीजीपी को कहा था कि क्यों ना उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। साथ ही अदालत ने पॉक्सो कोर्ट के इसी मामले में डीएसपी मुकुल शर्मा, कोटा एसपी केसर सिंह शेखावत व प्राथमिक जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने वाले आदेश पर भी रोक लगाई है।

वहीं डीएसपी मुकुल शर्मा से केस का अनुसंधान वापस लेकर उन्हें तीन महीने तक किसी भी केस का अनुसंधान नहीं देने और उन्हें चार्जशीट देने वाले आदेश पर भी रोक लगाई है। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश डीएसपी मुकुल शर्मा व राज्य सरकार की याचिका पर बुधवार को दिया। राज्य सरकार की ओर से एएजी घनश्याम शर्मा व डीएसपी की ओर से अधिवक्ता अनुराग शर्मा ने अदालत को बताया कि पॉक्सो कोर्ट के जज ने सुस्थापित सिद्धांतों व विधि के प्रावधानों का उल्लंघन कर आदेश दिए हैं, जो गलत है। इसलिए पॉक्सो कोर्ट के डीजीपी, एसपी व डीएसपी के खिलाफ दिए आदेशों की क्रियांविति पर रोक लगाई जाए। अदालत ने राज्य सरकार व प्रार्थी की दलीलों से सहमत होकर पॉक्सो कोर्ट के आदेशों की क्रियांविति पर रोक लगा दी।

प्रदेश के दो जिलों में पांच नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। चीन में जहां करोना संक्रमण के लगातार बढ़ते प्रसार से हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं, वहीं भारत में फिलहाल हालात काफी नियंत्रण में है। इधर राजस्थान में रोजाना काफी कम संख्या में नए संक्रमित मिल रहे है। राज्य में बुधवार को 2 जिलों में केवल 5 ही नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में बुधवार को जयपुर में 4 और पाली में 1 नया करोना संक्रमित मिला है। इससे पहले मंगलवार को 11 रोगी पाए गए थे। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में पांच स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बस्सी, जगतपुरा, जमवारामगढ़ और सिरसी में 1-1 नया संक्रमित मिला है। आज जयपुर और पाली के अलावा अन्य किसी भी जिले में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

उधर प्रदेश में बुधवार को 6 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 52 रह गए हैं। यह सभी मरीज जयपुर में रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही राजधानी में अब 45 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

उधर चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग चीन में संक्रमण के मामले बढ़ने को लेकर सतर्क हो गया है। इसके चलते राजस्थान सहित देशभर में आने वाले विदेशी यात्रियों की करोना की रेंडम सैम्पलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

आईसीसी सीओ चाहते है कि टेस्ट खेलने वाले अधिक देश पाक का दौरा करें

कराची, 21 दिसंबर। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम के तीन मैचों के सफल दौरे से उत्साहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सीईओ ज्योफ एलार्डिस चाहते हैं कि पाकिस्तान में और अधिक टेस्ट मैच खेले जाएं। इंग्लैंड ने रावलपिंडी, मुल्तान और कराची में टेस्ट मैच खेले जिसमें बड़ी संख्या में दर्शक भी पहुंचे। इंग्लैंड ने इन तीनों मैचों में जीत दर्ज करके श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने भी इस साल के शुरू में पाकिस्तान का दौरा किया। स्टेडियमों में बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने से खेल के सबसे लंबे प्रारूप में पाकिस्तानी लोगों की दिलचस्पी का पता चलता है। एलार्डिस ने कहा,'' पाकिस्तान के प्रशंसक इस खेल को लेकर और अपनी टीम के प्रति जुनूनी है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे मेहमानों का स्वागत कर रहे हैं।'' पाकिस्तान अब दो टेस्ट मैचों के लिए मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इस श्रृंखला का पहला मैच 26 दिसंबर से कराची में खेला जाएगा। एलार्डिस को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों के दौरों के बाद आगे पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट फलता फूलता रहेगा।

केरल के 8 विकेट पर 268 रन

जयपुर, 21 दिसंबर। सचिन बेबी (नाबाद 109) के शतक और कप्तान संजू सैम्सन के अर्द्धशतक की मदद से केरल ने रणजी ट्रॉफी में मेजबान राजस्थान के लिए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 8 विकेट पर 268 रन बना लिये है। केरल पहली पारी के अभी मेजबान टीम से 69 रन पीछे है। राजस्थान के लिए अनिकेत चौधरी और मानव सुथार ने तीन-तीन विकेट लिये। मेजबान टीम ने आज कल के पांच विकेट पर 310 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी टीम 337 रन पर आउट हो गई।

डब्ल्यूटीसी में स्थिति सुधारने के लिए बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

बांग्लादेश से दूसरा टेस्ट मैच आज से

मीरपुर, 21 दिसंबर। पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में अपनी स्थिति सुधारने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा।

इस मैच में कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल पर भी सभी की नजरें रहेंगी क्योंकि वह पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। डब्ल्यूटीसी तालिका में दो शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए होड़ बढ़ गई है। भारत 55.77 के प्रतिशत अंक (पीसीटी) के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की गाबा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार के कारण भारत को फायदा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका का पीसीटी 54.55 है जबकि ऑस्ट्रेलिया 76.92 पीसीटी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू श्रृंखला भारत के लिए डब्ल्यूटीसी तालिका में चोटी के दो स्थानों पर बने रहने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी लेकिन वह बांग्लादेश के खिलाफ भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता जिसने पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में सस्ते पर आउट होने के बाद जुझारूपन दिखाया। नियमित कप्तान रोहित शर्मा अभी अंगूठे की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और ऐसे में भारतीय एकादश में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है।

पहले टेस्ट मैच में शुभमन गिल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को सुनहरा मौका मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा भी उठाया। यदि रोहित मैच के लिए फिट भी हो जाते तब भी गिल को बाहर करना मुश्किल था क्योंकि उन्होंने चटगांव में अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया था। लेकिन रोहित फिट नहीं है और ऐसे में गिल एक और मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। राहुल भी पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में असफल रहने के बाद आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेंगे। चटगांव की तरह ही यहां भी पिच के धीमी रहने की संभावना है जो कि बल्लेबाजों के लिए आदर्श स्थिति होगी। ऐसे में राहुल के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व फॉर्म में लौटने का यह शानदार मंच होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच से वापसी करने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पहले टेस्ट मैच में 90 और नाबाद 102 रन की पारी खेलकर तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत की है। पुजारा ने दूसरी पारी में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया। विराट कोहली के लिए भी नवंबर 2019 के बाद पहला टेस्ट शतक लगाने के लिए यह आदर्श मंच होगा। भारत ने दूसरी पारी में चार रन प्रति ओवर से भी अधिक की दर से रन बनाए थे और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम अपने इसी सकारात्मक रवैए के साथ उतरती है या नहीं।

परिस्थितियों को देखते हुए गेंदबाज एक बार फिर से विकेट को लक्ष्य करके गेंदबाजी करना चाहेंगे फिर चाहे वह तेज गेंदबाज हों या स्पिनर। पिछले साल फरवरी के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे कुलदीप ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और आठ विकेट लिये। उन्होंने दूसरी पारी में आर अश्विन और अक्षर पटेल से कम गेंदबाजी की लेकिन इसके बावजूद वह तीन विकेट लेने में सफल रहे।

अश्विन स्पिनरों की मददगार पिच पर केवल एक विकेट ही ले पाए थे और वह उसकी भरपाई यहां करने के लिए बेताब होंगे। अक्षर ने दूसरी पारी में चार विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की। बांग्लादेश ने जिस तरह से चौथे दिन बल्लेबाजी की उससे वह प्रेरणा लेना चाहेगा। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन ने शतक जड़कर दिखाया कि वह इस स्तर पर खेलने के लिए तैयार हैं। सीनियर बल्लेबाज लिटन दास और मुशफिकुर रहीम अपनी गलतियों से सबक लेकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

दूसरे टेस्ट से बाहर रह सकते है राहुल

ढाका, 21 दिसंबर। भारत के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल हाथ में चोट लगने के कारण बंगलादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने बुधवार को मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राहुल की चोट गंभीर नहीं है, हालांकि उनके खेलने पर संदेह है। राठौड़ ने कहा, ''चोट गंभीर नहीं लग रही। वह ठीक दिख रहे हैं। डॉक्टर चोट को देख रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि वह ठीक होंगे।'' उल्लेखनीय है कि अंगूठे में चोट लगने के बाद रोहित शर्मा बंगलादेश टेस्ट सीरीज में शामिल नहीं हो सके, जिसके बाद राहुल को कप्तानी सौंपी गयी थी। अगर राहुल गुरुवार को शुरू होने वाले मैच में हिस्सा नहीं लेते हैं तो उपकप्तान चेतेश्वर पुजारा टीम की कमान संभालेंगे। राहुल का गैर-मौजूदगी में सलामी बल्लेबाज अभिमन्यू ईश्वरन भी भारत के लिये पदार्पण कर सकते हैं। राष्ट्रीय टीम में अभिमन्यु का चयन भारत-ए में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। उन्होंने भारत-ए की कप्तानी करते हुए बंगलादेश-ए के विरुद्ध दो अनाधिकारिक टेस्ट मैचों में दो शतक बनाये, जबकि इससे पहले उन्होंने विजय हज़ारे ट्रॉफी में बंगाल के लिये भी शतक जड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट अच्छा अभ्यास : राठौड़

मीरपुर, 21 दिसंबर। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को लगता है कि बांग्लादेश के खिलाफ चल रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला घरेलू सरजमीं पर इसी तरह की 'टर्निंग पिचों' पर आस्ट्रेलिया से होने वाली सीरीज से पहले भारतीय बल्लेबाजों की तैयारी के लिये बिलकुल 'परफेक्ट' है। बांये हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए शानदार वापसी की जिससे भारत ने चटगांव में मुश्किल पिच पर बांग्लादेश को 188 रन से हराकर श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर चल रही भारतीय टीम शीर्ष पर चल रही आस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ फरवरी से नागपुर में शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने से पहले बांग्लादेश में क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

राठौड़ ने दूसरे और अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां कहा, ''उप महाद्वीप में आप विकेट के टर्न लेने की उम्मीद करते हो और इसके बाद हम आस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेंगे जिसमें भी विकेट के टर्न लेने की उम्मीद है।''

उन्होंने कहा, ''इसलिये हमारे लिये यह अच्छा अभ्यास है। यह भारतीय बल्लेबाजों के लिये अच्छी तैयारी होगी। हम तकनीकी रूप से किसी भी चीज पर चर्चा नहीं कर रहे हैं लेकिन अच्छा क्रिकेट खेलने के लिये तैयार हैं। चटगांव टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने लंबे प्रारूप में अपना पहला शतक जड़ा जबकि तीसरे नंबर के भरोसेमंद बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी दूसरी पारी में 130 गेंद में नाबाद 102 रन की पारी खेलकर लंबे समय से शतक के इंतजार को खत्म किया। जनवरी 2019 में सिडनी टेस्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 193 रन की पारी के बाद यह उनका पहला सैकड़ा था। करीब चार साल बाद उन्होंने अपना 19वां शतक जमाया।

राठौड़ ने कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और विराट कोहली के साथ लंबी बातचीत की और उन्हें शीर्ष दो बल्लेबाजों से भी बड़ी पारी खेलने की उम्मीद है। राहुल 22 और 23 रन ही बना सके। राहुल से हुई चर्चा के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''मैं उन चर्चाओं में नहीं जाना चाहूंगा, ये चर्चायें होती रहती हैं, वह कुछ चीजें करना चाह रहा था और इसके बारे में चिंता की कोई बात नहीं है। वह कुछ चीजें आजमा रहा था।''

उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि दोनों रन जुटायें। इस मैच में दोनों से बड़ी पारियों की उम्मीद लगाये हैं। कोहली ने हाल में अपने अंतरराष्ट्रीय शतक का लंबा इंतजार खत्म किया, पहले अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में और फिर बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में। कोहली से अब एक टेस्ट शतक का इंतजार है जो उन्होंने पिछली बार 2019 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले दिन-रात्रि टेस्ट में इसी बांग्लादेश टीम के खिलाफ बनाया था। राहुल के अंगूठे में 'थ्रोडाउन' से गेंद लग गयी थी लेकिन बल्लेबाजी कोच ने कहा कि वह ठीक लग रहा है।

कार्तिकेय के फिरकी के जादू से मध्य प्रदेश की आसान जीत

इंदौर, 21 दिसंबर। बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहली बार मैच में 10 विकेट चटकाए जिससे गत चैंपियन मध्य प्रदेश ने बुधवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में चंडीगढ़ को पारी और 125 रन से रौंद दिया। पिछले सत्र में 32 विकेट के साथ शम्स मुलानी के बाद दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे कार्तिकेय ने उसी फॉर्म को जारी रखते हुए मैच में 64 रन देकर 10 विकेट चटकाए जिससे मध्य प्रदेश ने दूसरे दिन चंडीगढ़ को दो बार 57 और 127 रन के स्कोर पर ढेर किया। बोनस अंक के साथ लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद मध्य प्रदेश की टीम ग्रुप डी में 14 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। टीम ने अपने पहले मैच में जम्मू-कश्मीर को भी पारी और 17 रन से हराया था। मध्य प्रदेश ने दिन की शुरुआत सात विकेट पर 289 रन से की और उसकी पारी 309 रन पर सिमट गई। चंडीगढ़ के लिए संदीप शर्मा ने 93 रन देकर तीन जबकि हरतेजस्वी कपूर ने 64 रन देकर दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में चंडीगढ़ की टीम पहली पारी में सिर्फ 24 ओवर में सिमट गई।

पीसीबी ने आईसीसी को आश्वत किया, भारत में विश्व कप के बहिष्कार का कोई फैसला नहीं : सूत्र

कराची, 21 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी अधिकारियों को बताया है कि उसने अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से बहिष्कार की धमकी इस पड़ोसी देश को एशिया कप के लिये अपनी टीम भेजने का दबाव बनाने के लिये दी थी। इसकी जानकारी सूत्रों ने दी है। एशियाई क्रिकेट परिषद ने 50 ओवर के एशिया कप के 2023 चरण की मेजबानी के अधिकार पाकिस्तान को दिये हैं जो भारत में अक्टूबर-नवंबर 2023 में होने वाले विश्व कप से पहले होगा।

अक्टूबर में एसीसी अध्यक्ष और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) सचिव जय शाह ने कहा था कि भारत अगले साल 50 ओवर के एशिया कप के लिये यात्रा नहीं करेगा जिसके सितंबर में आयोजित होने की संभावना है। पर इसके बाद पीसीबी ने विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

लेकिन पता चला है कि पीसीबी चेयरमैन रमीज राजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अधिकारियों को बताया है कि बोर्ड ने भारत में 50 ओवर के विश्व कप के लिये अपनी टीम नहीं भेजने संबंधित कोई फैसला नहीं किया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ अलार्डिस सहित आईसीसी अधिकारी इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला देखने के लिये मेहमान के तौर पर पाकिस्तान में थे। इसकी जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''रमीज ने आईसीसी अधिकारियों को आश्वस्त किया कि पीसीबी ने विश्व कप के लिये अपनी टीम भारत नहीं भेजने संबंधित कोई फैसला नहीं किया है और ना ही वह इतने बड़े टूर्नामेंट के बहिष्कार के पक्ष में है लेकिन दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते पीसीबी ने भारतीय बोर्ड पर एशिया कप के लिये अपनी टीम भेजने का दबाव बनाया था।

सूत्र ने कहा कि आईसीसी अधिकारियों ने रमीज को उनके बयान के संबंध में अपनी चिंतायें भी जाहिर की कि अगर भारतीय टीम एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगी तो पाकिस्तान भी अगले साल भारत में विश्व कप में नहीं खेलेगा। सूत्र के अनुसार रमीज ने आईसीसी अधिकारियों को यह भी कहा कि भारत के पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर पाने के कारण पीसीबी देश से 2025 चैम्पियंस ट्राफी हटाये जाने को भी स्वीकार नहीं करेगा। सूत्र ने कहा, ''रमीज ने आईसीसी अधिकारियों को यह भी याद दिलाया कि कार्यकारी बोर्ड (जिसमें भारत भी शामिल है) ने चैम्पियंस ट्राफी की मेजबानी का अधिकार पाकिस्तान को दिया था इसलिये टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

सार-समाचार

विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किये

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत तंबोलिया के राजकीय प्राथमिक विद्यालय नाहरगढ़ के छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। राजकीय प्राथमिक विद्यालय नाहरगढ़ के परिसर में बुधवार को संस्था प्रधान शाहरुख खान, अध्यापिका अनिता मीणा, सोनाली मीणा, भामाशाह मोहम्मद रजा कोटा, अहमद रजा कोटा, महेश मंगल कोटा, अब्दुल रशीद कोटा की ओर से विद्यालय में 70 छात्र-छात्राओ को स्वेटर वितरित किए गए। जिसमें सभी ग्रामवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष बनवारी लाल भील, मुख्य अतिथि पप्पूलाल भील रहे। मंच संचालन शाहरुख़ खान ने किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान शाहरुख़ खान के द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

भाजपा प्रत्याशियों ने जनसंपर्क किया

छबड़ा (निसं)। बारां नागरिक सहकारी बैंक के शनिवार को होने जा रहे चुनाव के चलते बुधवार को भाजपा पैनल के 12 प्रत्याषियो ने छबडा-छीपाबड़ौद में सघन जनसंपर्क किया और भाजपा पैनल को विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर वरिश्ठ भाजपा नेता राजेष सिंघवी, हिम्मतसिंह सिंघवी व प्रधान हरिओम नागर भी साथ रहे। बारां नागरिक बैंक चुनाव में भाजपा पैनल के प्रत्याषी हरगोविंद जैन, प्रदीप जैन, पीयूश कुमार विजय, बालमुकुंद मीणा, पीयूश जैन, सुनील टक्कर, सीमा षर्मा, तारा अग्रवाल, अखिल नामा, अष्विनी बंसल, नंदकिषोर यादव, निषांत तिवारी ने बुधवार को छबडा पहुंचकर मतदाताओं से सघन जनसंपर्क किया और षनिवार को स्वर्णकार धर्मषाला में होने जा रहे मतदान में भाजपा पैनल के पक्ष में मतदान कर विजयी बनाने की अपील की। प्रत्याशियों ने कस्बे के मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, सालपुरा रोड, अस्पताल रोड़ पर व्यापारियो के प्रतिश्ठानो पर पहुंचकर मतदान की अपील की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सीपी गेरा, भंवरलाल वर्मा, निरंजन शर्मा, दीलिप यादव, जगदीश शर्मा मील वाले, पार्षद कपिल यादव, कमल आसावत, रितेश यादव, रोहित अरोडा, नवल शर्मा, उपाध्यक्ष परमानंद साहू, मनोज राठौर, मनोज सुमन, महावीर सुमन, फूलचंद प्रजापति, महामंत्री हरिओम गौड़, भगवती वर्मा, दिलीप साहू, राजू कुमावत, गौरव सेन आदि साथ रहे।

गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

अंता (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोरखंड कला में चल रहे पंचायत स्तर के एसएमसी एसडीएमसी के दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर का समापन बुधवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में दक्ष प्रशिक्षक गौरव वशिष्ठ द्वारा सभी सदस्यों को एसएमसी एसडीएमसी के गठन,कार्यप्रणाली,उत्तरदायित्व, सामुदायिक सहभागिता के बारे में बताया।धागा जोड़ो गतिविधि द्वारा हर सदस्य की महत्ती भूमिका को समझाया गया।प्रशिक्षण में पंचायत के सभी स्कूल से आए प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र के स्कूल में हो रहे अच्छे कार्यों को साझा किया। एसएमसी, एसडीएमसी किसी भी स्कूल की सबसे बड़ी ताकत होती है जो विद्यालय विकास में सकारात्मक सहभागिता निभाती है।इसलिए सभी सदस्यों को सक्रिय रहना चाहिए। दो दिवसीय तक चले इस प्रशिक्षण में 36 संभागियो ने हिस्सा लिया। संस्था प्रधान आरती शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रशिक्षण में जानकीलाल व्याख्याता,संध्या शर्मा,कपिल मालव,माणक चंद मीणा,प्रेम बाई का विशेष सहयोग रहा।

साप्ताहिक हाट का शुभारंभ

बूंदी (निसं)। राजीविका के परियोजना स्टार्टअप ग्रामीण उद्यिमता कार्यक्रम के तहत पेच की बावड़ी पंचायत परिसर में बुधवार को पहला ग्रामीण साप्ताहिक हाट का शुभारंभ उपखण्ड अधिकारी व जिला परियोजना प्रबंधक राजीविका सोहनलाल एवं पंचायत सरपंच सीमा ने किया। परियोजना के तहत स्थानीय महिलाओं व उनके परिवार को उद्यम लगाने के लिए पूर्ण रूप से सहयोग करता है। यह ग्रामीण साप्ताहिक हाट हर बुधवार लगने वाला हाट है, जिससे स्थानीय लोगों को खरीदने एवं सामग्री बेचने के लिए दूर नही जाना पडेगा। कार्यक्रम में बीपीएम सुमन शिखा, कुटुम्बश्री एनआरओ से फील्ड कोऑर्डिनेटर प्रियंका, बीएपी एण्ड बिजया, मेंटर मिथलेश कुमार, झांसी की रानी राजीविका महिला सर्वागीण विकास सहकारी समिति लिमिटेड, हिण्डोली के सीएम माया जी पूरे क्लस्टर स्टाफ के साथ मजूद रहे, ठम्च्ब् मबीपीईसी मेम्बर्स राजकंवर, मूर्ति, जमुना, कौशल्या, लक्ष्य सीआरपी एण्ड ईपी ग्रुप की शाफिया, दुर्गावती, नीतू, शबनम आदि मौजूद रही।

प्रतियोगिता में सलोनी प्रथम

छबड़ा (निसं)। कन्या महाविद्यालय में बुधवार को आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 45 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य सीबी शर्मा उपस्थित रहे। सहायक आचार्य डॉ. सुरेश चंद्र वैष्णव व मनोज मीणा ने बताया कि कॉलेज में राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सरकार की योजनाओं से संबंधित आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चिरंजीवी योजना, पालनहार योजना, अनुप्रति योजना, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, राजस्थान की संस्कृति आदि पर विभिन्न छात्राओं द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सलोनी सेन, द्वितीय स्थान अदिति मीणा एवं तृतीय स्थान लक्षिता पोरवाल ने प्राप्त किया। विजेताओं को महाविद्यालय द्वारा पुरस्कार दिया जाएगा।

गायों को हरा चारा खिलाया

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा-भैंसरोड़गढ़ मार्ग पर स्थित गौशाला में डॉ. सेवा तीरथ राम पत्नी धनवंती देवी ने अपने गुरु संत स्व. हिरदाराम के जन्मदिन पर गायो की पूजा-अर्चना कर गायों को हरा चारा खिलाया, और 2 बोरी पशु आहार भेंट किया। उन्होंने अपने हाथों से गायों को दलिया भी खिलाया। डॉ. सेवा तीरथ राम ने बताया कि संत हिरदाराम हमेशा सभी को ये ही शिक्षा देते हैं बूढ़े बच्चे और बीमार, है परमेश्वर के यार, करें भावना से इनकी सेवा, पाएंगे लोक परलोक में सुख अपार। इस मौके पर समाजसेवी विजय नीमा, गोविंद गुप्ता, सेवा भारती के अध्यक्ष मनोज मलिक, विकास माटा, गौ सेवक सुरेश, विंध्या पांडे, चंद्र प्रकाश मलिक, भूषण देव शर्मा, तरूण छाबडा, खुशी मलिक, सोनल मलिक, राजु, मनोज मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा 25 से

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा नगर में मानव मंदिर सुंदरकांड कमेटी की ओर से 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक संगीतमय श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। एडवोकेट प्रदीप बील्लु ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के मानव मंदिर परिसर में 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का वाचन श्रीरामधाम बालाजी अरनिया के संत द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर को प्रातः 10 बजे श्री अंबेमाता मंदिर सिनेमा चौराहा से कलश यात्रा प्रारंभ होगी, जो मुख्य मार्ग से होते हुए मानव मंदिर पहुंचेगी। जहां विधि विधान व पूजा-अर्चना कर कथा का प्रारम्भ होगा।

जनाक्रोश सभा में भाग लेने की अपील

छबड़ा (निसं)। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे रविवार को कोटा के उम्मेदसिंह स्टेडियम में सुबह 11 बजे विशाल जनाक्रोश सभा को संबोधित करेगी। प्रधान हरिओम नागर, पालिकाध्यक्ष केसी जैन, नगर अध्यक्ष सीपी गेरा, सेमली मंडल अध्यक्ष अशोक गौड, बापचा मंडल अध्यक्ष उदयसिंह लोधा ने पार्टी कार्यकर्ताओ व आमजन से अपील की है कि कांग्रेस सरकार की विफलताओं के लिए आयोजित विशाल जनाक्रोश सभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच सरकार को जड से उखाड फैंकने का संकल्प ले।

यूनिफॉर्म का वितरण किया

छबड़ा (निसं)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना निःशुल्क यूनिफार्म वितरण के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय बरोनी में बुधवार को यूनिफार्म का वितरण किया गया। संदर्भ व्यक्ति शंकर लाल नागर के अनुसार प्रधानाध्यापक सुरेंद्र मालव की मौजूदगी में 73 विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। इस अवसर पर शिक्षक अरविंद सेन, सुरेश बैरवा, सुनील जांगिड़, बृजेंद्र जांगिड और एसएमसी के सदस्य उपस्थित रहे। ड्रेस पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे।

कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने निर्माण कार्यों का अवलोकन किया

जिला कलेक्टर द्वारा निर्माण कार्यों का अवलोकन कर लाभार्थियों से जानकारी ली।

रावतभाटा, (निसं)। जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल द्वारा नगर के विक्रम नगर रेस्ट हाउस में पंचायती राज विभाग, नगर पालिका, राजस्व विभाग व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से विभागीय योजनाओं जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

तत्पश्चात ब्रह्मा कुमारी दल के सदस्यों से उनकी धार्मिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल का नगर पालिका पार्षदों द्वारा साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद बार कौंसिल रावतभाटा के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा ज्ञापन दिया गया, जिस जिला कलेक्टर द्वारा सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल द्वारा फिल्ड विजिट में सबरी आश्रम पहुंचे, जहां बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। इस दौरान स्थानीय महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों से उनकी समस्याओ, दिनचर्या व खाना, रहन-सहन की जानकारी ली गई, तथा बच्चों को पढ़ाने व सामान्य जानकारी रखने हेतु उनसे प्रश्न पुछे गए।

मंडेसरा ग्राम पंचायत पहुंचने पर जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल एवं उप जिला कलेक्टर कैलाश चंद गुर्जर का साफा पहना, माल्यार्पण कर सरपंच शिवराज गुर्जर सहित स्थानीय वार्ड पंच, जनप्रतिनिधि, आमजन द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया। तत्पश्चात जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने मंडेसरा ग्राम में पैदल घुमकर प्रधानमंत्री आवास का अवलोकन किया। तथा लाभार्थियों से संवाद कर सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान सभी जगह जिला कलेक्टर का रुख सकारात्मक रहा।

स्मृति वन में आग लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

- आमजन को जोड़कर स्मृति वन को बचाने की मुहीम चलेगी

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के अनंतपुरा क्षेत्र में अथक प्रयास के बाद बनाए गए स्मृति वन को बचाने के लिए अब शहर की कई और संस्थाओं का सहयोग लेकर उसे बचाने का प्रयास किया जाएगा। गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी जीडी पटेल ने प्रेसवार्ता आयोजित कर बताया कि स्मृति वन में आग लगाए जाने की घटना बेहद ही चिंता जनक व निंदनीय है, सालों के प्रयास के बाद इस भूमि को हरा किया गया है।

गायत्री परिवार एवं युवा टीम दीया के संयुक्त प्रयासों से अनंतपुरा श्रीराम शर्मा आचार्य स्मृति वन में पिछले 4 वर्षों से अथक पुरुषार्थ करके 3000 से अधिक पौधे लगाए गए जो आज वृक्ष बन गए हैं। वर्तमान में पेड़ो की ऊंचाई 12 से 15 फीट है। इसके लिए गायत्री परिवार कोटा ने सिर्फ अपने लाखों रुपए के खर्चे और प्रयासों से यह महत्वपूर्ण कार्य किया जिसको 40 कार्यकर्ताओं की टीम ने नियमित श्रमदान करके विकसित किया।

गायत्री परिवार कोटा के मुख्य ट्रस्टी जी डी पटेल ने बताया कि पथरीली भूमि पर जेसीबी मशीन से गड्ढे करवाकर व मिट्टी खाद की व्यवस्था कर 3000 से अधिक वृक्षों को विकसित करने के लिए कोटा से टैंकरों द्वारा पानी की व्यवस्था की गई व वहां बोरिंग लगाया गया। वर्तमान में यह वृक्ष प्रकृति का सौंदर्य बनकर पर्यावरण को स्वच्छ बना रहे हैं व क्षेत्र को प्राणवायु दे रहे हैं।

दीया टीम के ललित सोनी ने बताया कि 19 दिसंबर की रात्रि को असामाजिक तत्वों ने पेड़ों में आग लगा दी जिससे 300 से अधिक पेड़ जल गए, ऐसा लगता है की असामाजिक तत्व स्मृति वन को नष्ट कर उन पर कब्जा करना चाहते हैं। पूर्व में भी इन असामाजिक तत्वों द्वारा दो तीन बार कई वृक्षों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया था, साथ ही पूर्व में चौकीदार के साथ मारपीट की गई थी।

आर्य उप प्रतिनिधि सभा के संभागीय प्रधान अर्जुन देव चड्डा ने कहा कि गायत्री परिवार के साथ मिलकर कई संगठन कोटा जिला प्रशासन, वन विभाग व पुलिस प्रशासन से मांग करेंगे कि स्मृति वन को जलाने की घटना की जांच की जाए व उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिदिन नियमित रात्रि गश्त की व्यवस्था की जाए। चड्डा ने कहा कि इन पौधों को बच्चों की तरह पाला गया है, एक पौधे को वृक्ष बनाने में कई लोगों का पसीना बहा है, ऐसे में प्रशासन को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए पहल कर स्मृति वन की सुरक्षा पर गंभीरता से प्रयास करना चाहिए।

शहर की जनता से भी अपील की जाएगी कि कोटा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिस गति से वह सराहनीय है। स्मृति वन भी कोटा का एक ऑक्सीजोन है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के ट्रस्टी आरएस मालवीय, वरिष्ठ सदस्य हरीश शर्मा, युवा टीम दीया के कार्यकर्ता प्रेम नागर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

भाजपा जन आक्रोश यात्रा को सफल बनाने की तैयारी बैठक आयोजित

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी कोटा उत्तर व कोटा दक्षिण की संयुक्त जन आक्रोश महासभा की तैयारियों को लेकर कोटा शहर के भाजपा के मण्डलों में तैयारी बैठके हुई।

भाजपा के रेलवे कॉलोनी और स्टेशन मंडल की संयुक्त बैठक हरिओम बैंकट हॉल भीमगंजमंडी में मंगलवार सायं संपन्न हुई। बैठक को प्रमुख रूप से भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष तथा केशवरायपाटन विधायक चंद्रकांता मेघवाल, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, कार्यक्रम जिला संयोजक जगदीश जिंदल, सहसंयोजक लक्ष्मण सिंह खींची, भारतीय जनता पार्टी मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक अरविंद सिसोदिया, जिला महामंत्री चंद्रशेखर नरवाल, जिला उपाध्यक्ष रितेश चित्तौड़ा, जिला मंत्री आशा चतुर्वेदी, कोटा उत्तर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं जनआक्रोश महासभा के कोटा उत्तर संयोजक लव शर्मा, स्टेशन मंडल के अध्यक्ष रमेश शर्मा चाचा, रेलवे कॉलोनी मंडल के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आदि ने संबोधित किया धन्यवाद जिला महामंत्री जगदीश जिंदल ने दिया एवं संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष बृजेश शर्मा ने किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा केशवरायपाटन विधायक चंद्रकांता मेघवाल ने कहा कि पूरे राजस्थान में कांग्रेस सरकार के विरुद्ध जन आक्रोश व्याप्त है।

उन्होंने कहा अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की बनने जा रही है और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह मिस कॉल नंबर 8140200200 पर अधिक से अधिक के मिस कॉल करके अपने आक्रोश की पुष्टि करें। उन्होंने कहा कोटा भाजपा का गढ़ है, कोटा भाजपा का जलजला पूरा देश देखता है। राजस्थान को कांग्रेस के कुशासन से मुक्त कराकर, भाजपा की सरकार बनायेंगे। भारतीय जनता पार्टी शहर जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि लाड़पुरा की जनआक्रोश महासभा बहुत सफल रही है, महासभा में आमजन के उमड़े जन सैलाब ने सभी पुराने रिकार्ड ध्वस्त कर दिये है।

इसी तरह से कोटा उत्तर एवं कोटा दक्षिण विधानसभा की संयुक्त जनआक्रोश महासभा 24 दिसंबर को किशोर सागर तालाब की पाल पर शाम 4 बजे होने जा रही है। इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर के इसे सफल बनाएं। उन्होने कहा भाजपा के सभी मण्डलों में महाजनसर्म्पक अभियान चल रहा है। इसमें कांग्रेस सरकार के कुशासन के विरूद्ध जन जागरण किया जा रहा है। घर घर पत्रक लेकर कार्यकता पहुच रहें है। इसमें भी सभी को अपना योगदान देना चाहिये।

कार्यक्रम जिला संयोजक जगदीश जिंदल तथा सहसंयोजक लक्ष्मण सिंह खींची ने पदाधिकारियों से आव्हान किया की हमें 24 दिसम्बर को कोटा उत्तर व कोटा दक्षिण की संयुक्त महासभा को भव्य सफलतम बनाना है। इसके लिये हमें अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं तथा आमजन को लाना है।

भारतीय जनता पार्टी कोटा के कोटा उत्तर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र जनआक्रोश महासभा संयोजक लव शर्मा ने कहा कि कोटा की जनता कांग्रेस सरकार के कुशासन से परेशान है। कोटा की जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और सौंदर्यकरण के नाम पर करोड़ों रूपये बर्बाद कर दिये। जनता को नलों में शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा।

सिलिकोसिस प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण हो : जिला कलेक्टर

जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्य समिति की बैठक ली।

बूंदी (निसं)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।बैठक में जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत आशानुरूप कार्य नहीं करने वाले चिकित्सा संस्थानों को सुधार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना में अधिकाधिक पैकेज बुक करने पर चिकित्सा संस्थान के खाते में ही पैसा आएगा, जिससे उन्हें किसी पर भी निर्भर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने आयुष्मान चिरंजीवी कार्ड की प्रगति बढाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने निर्देष दिए कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना नियमित टीकाकरण की प्रगति बढाई जावे। एनीमिया मुक्त बूंदी अभियान में शत प्रतिशत जांच हो। मौसमी बीमारियों की समीक्षा करते हुए डेंगू पर नियंत्रण रखने पर विभाग के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने राजस्थान, जननी सुरक्षा योजना, राजश्री योजना एएनसी चौकअप, संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण आदि योजनाओं की समीक्षा कर आवष्यक निर्देश दिए।उन्होंने निर्देश दिए कि सिलिकोसिस प्रकरणों के निस्तारण के लिए अलग से कार्मिक नियुक्त हो। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि हर सप्ताह बैठक कर सिलिकोसिस प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि 7 ग्राम से कम हिमोग्लोबिन वाली महिलाओं को हेमा कार्ड वितरित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन चिकित्सा संस्थानों में क्षय रोग की जांच के लिए संसाधन नहीं है, वहां संसाधन उपलब्ध कराए जाए।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. सामर ने विभिन्न योजनाओं के संबंध में बीसीएमओ को निर्देश दिए तथा योजनाओं के संबंध में ब्लॉक की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। एसीएमएचओ डॉ. महेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने परिवार कल्याण के बारे में जानकारी दी। आरसीएचओ डॉ. पीसी मीणा ने टीकाकरण, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. कमलेश शर्मा ने मौसमी बिमारियों के बारे में भी जानकारी दी। डीपीएम राहुल माथुर ने योजनाओं के बारे में ब्लॉक वाइज रिपोर्ट प्रस्तुत की।बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. ओपी सामर, एसीएमएचओ डॉ. महेन्द्र कुमार त्रिपाठी, आरसीएचओ डॉ. पीसी मीणा, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. कमलेश शर्मा, पीएमओ डॉ. प्रभाकर विजय, डीपीएम राहुल माथूर, सिविल विंग के अधिकारीगण, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सार-समाचार

प्रतिष्ठान बंद रख विरोध जताया

छबड़ा, (निसं)। अखिल भारतीय सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा पवित्र तीर्थ राज सम्मेद शिखर को हेरिटेज घोषित करने के विरोध में पूरे भारतवर्ष में संघर्ष के तहत जैन समाज ने बुधवार को विरोध स्वरूप अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद कर हाथों में तख्तियां एवं झंडे लेकर कस्बे में मौन जुलूस निकालकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें सम्मेद शिखर को हेरिटेज घोषित करने का विरोध जताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार झारखंड में स्थित सम्मेद शिखरजी सिद्ध क्षेत्र अनादि काल से जैन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक रहा है और हमेशा से ही जैन समाज के श्रद्धा एवं आस्था का केंद्र रहा है, लेकिन अब सरकारे मात्र वोट बैंक की खातिर इस पवित्र स्थल को हेरिटेज घोषित कर वहां पर हवाई अड्डा बनाने, होटल खोलने एवं क्षेत्र को पूरी तरह पर्यटक स्थल बनाने पर तुली है जो सीधा-सीधा जैन समाज की भावनाओं क्षेत्र का अनादर करना है। यहां अब श्रद्धाष से निकली जयकारों एवं पूजा पाठ की जगह जाम छलकेंगे एवं घंटे-घडियाल की पवित्र ध्ध्वनियों की जगह अर्द्धनग्न नाच के साथ अश्लीलता की बयार बहेगी। इसे जैन समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। दिगंबर श्वेतांबर समाज ने बुधवार को कस्बे के अहिंसा सर्किल से एसडीएम कार्यालय तक हाथों में तख्तियां लेकर एवं समाज के झंडे बैनर लेकर मौन जुलूस निकाला, जिसमें समाज के सभी महिला पुरुषों के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चों ने भी भाग लिया।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

अंता (निसं)। अंता पुलिस द्वारा चेहड़िया निवासी अख्तर की हत्या के मामले मे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है साथ ही बाकि के आरोपियो कि सरगर्मी से तलाश कि जा रही है। एडिशनल एस पी जिनेन्द्र जैन ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि चेहड़िया मे शनिवार रात्रि को खेत पर खाना देने बाईक से जा रहे चेहडिया निवासी अख्तर मिर्जा कि रास्ते मे कुछ युवकों द्वारा धारदार हथियारों से हमला करते हुए हत्या कि गईं थी इस मामले मे कार्यवाही करते हुए दो आरोपी चेहडिया निवासी आबिद खान पुत्र सिराज तथा वसिम अहमद पुत्र असरार अहमद को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया जहां से आरोपियों से पूछताछ को लेकर 3 दिन के पीसी रिमांड पर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

कार्यकारिणी गठित

छबड़ा, (निसं)। माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक शोभा आगेश्वर की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें परिवेक्षक निहारिका गगरानी एवं सीमा बागडी द्वारा चुनाव संपन्न कराए गए तथा नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सचिव पूजा आगेश्वर ने बताया कि निर्विरोध संपन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष नम्रता आगेश्वर, सचिव अर्चना गगरानी, कोषाध्यक्ष पायल आगेश्वर, उपाध्यक्ष वर्षा चांडक, सह सचिव ललिता गगरानी को बनाया गया। इस अवसर पर उषा नुवाल, आरती आगेश्वर, संतोष नुवाल, संजू मूंदडा, महिमा आगेश्वर, सरिता आगेश्वर एवं अन्य महिलाएं उपस्थित थी।

बैंक खाते की ईकेवाईसी 31 तक करवायें

झालावाड़ (निसं)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जारी की जाने 13वीं किश्त का लाभ प्राप्त करने के लिए समस्त कृषकों को बैंक खाते का ई-के.वाई.सी, आधार से लिंकिंग एवं डाइरेक्ट बेनीफिशियरी ट्रान्सफर (डीबीटी) 31 दिसंबर, 2022 तक करवाना जरूरी है। जिला नोडल अधिकारी (पीएम-किसान) एवं प्रबंध निदेशक गुलाब चन्द मीना ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी किश्त कृषक के आधार से जुड़े बैंक खाते में सीधे ही हस्तान्तरित होगी। उक्त औपचारिकता के अभाव में कृषकों को योजना के आगामी लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है। पी.एम.-किसान पोर्टल पर कृषक या तो स्वयं या फिर ई-मित्र व सी.एस.सी. की सहायता से 15 रुपए शुल्क का भुगतान करके ई-के.वाई.सी. करवा सकते हैं।

प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

झालावाड़ (निसं)। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण प्रकरणों की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति कोर्ट, पुलिस थानों एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में दर्ज, निस्तारित एवं शेष प्रकरणों पर चर्चा कर एससी-एसटी कोर्ट में लम्बित् चल रहे सभी प्रकरणों का निस्तारण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक बृजमोहन मीणा एवं सहायक निदेशक अभियोजन कमलेश शर्मा उपस्थित रहे।

डॉ शिरीश मंडावत ब्लॉक अध्यक्ष बने

बून्दी (निसं)। मेडिकल विभाग तालेडा के ब्लॉक कार्यालय के मीटिंग हॉल मे हुई। मासिक बैठक में डॉ शिरीश मंडावत चिकित्सा अधिकारी प्रभारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरुंधन कोसरसम्मति से निर्विरोध आरआईएसडी ब्लॉक अध्यक्ष तालेड़ा चुना गया। मीटिंग मे ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी तालेडा डॉ आशीष अग्रवाल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक परितोष वर्मा, राजेश मीणा फ़ार्मांसीस्ट पीएचसी बरुंधन, तालेड़ा ब्लॉक की समस्त पीएचसी एवं सीएचसी के चिकित्सा अधिकारी एवं ब्लॉक की सभी एएनएम व सीएचओ की उपस्थिति मे एवं ब्लॉक कार्यालय तालेडा के समस्त स्टाफ की उपस्थित मे यह निर्णय लिया गया।

चेचट अस्पताल को एंबुलेंस मिलेगी

रामगंजमंडी (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के चेचट अस्पताल को 26 दिसंबर सोमवार को एम्बुलेंस मिलेगी। विधानसभा मीडिया प्रभारी अखिलेश मेडतवाल ने बताया कि मरीजों को आ रही भारी समस्याओं को देखते हुए विधायक कोटे से 15 लाख रुपए की अनुशंसा की है जो एंबुलेंस 26 दिसंबर सोमवार को चेचट अस्पताल को मिल जाएगी।इस एंबुलेंस के आने से क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं से मरीजों को राहत मिलेगी अभी एंबुलेंस की भारी समस्या थी। इस एंबुलेंस का आने के बाद मरीजों को बहुत सुविधा मिलेगी एंबुलेंस की लागत 15 लाख होगी। ऐसी ही एक एंबुलेंस कुछ समय पहले रामगंजमंडी चिकित्सालय को भी उपलब्ध हुई थी।

अजय मेरोठा अध्यक्ष बने

छबड़ा, (निसं)। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ की बैठक बुधवार को मंडखो बालाजी मंदिर पर संपन्न हुई, यहां सर्वसम्मति से कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष अजय मेरोठा, उपाध्यक्ष मनीश यादव, महासचिव सौरभ योगी, सचिव दामोदर नागर, कोशाध्यक्ष नरेंद्र मेहर व मीडिया प्रभारी अंकुर यादव को बनाया गया। इस अवसर पर दीपू वर्मा, दीपक नागर, मीरा गुर्जर, यषवंत, मुकेष, कौषल, सोमेष, निरंजन आदि स्वास्थ्य अधिकारियों ने नवीन पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा अभिभाषक संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बार एसोसिएशन रावतभाटा के अध्यक्ष अजीज हुसैन एडवोकेट ने बताया कि ज्ञापन में रावतभाटा में वकील कॉलोनी के लिए जगह आवंटित करने, रावतभाटा में एडीजे कोर्ट एवं मुंसिफ न्यायालय खोलने, न्यायालय परिसर, उपखंड कार्यालय एवं तहसील कार्यालय में पीने के पानी की व्यवस्था कराने तथा न्यायालय परिसर और उपखंड कार्यालय के बीच में लिंक रोड बनाने की मांग की गई।

क्लस्टर मेंटर डेवलपमेंट वर्कशॉप सम्पन्न

बूंदी (निसं)। एक दिवसीय क्लस्टर मेंटर डेवलपमेंट वर्कशॉप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करवर में शुरू हुई। जिसमें 35 अध्यापकों ने भाग लिया। वर्कशॉप की शुरुआत प्रधानाचार्य बृजगोपाल दीक्षित ने की। इसके पश्चात व्याख्याता कुलदीप सुमन के द्वारा एफएलएन की अवधारणा के बारे मे बताया गया। मास्टर ट्रेनर प्रीतम अरोड़ा के द्वारा एनएएस प्रश्नपत्र पर चर्चा की गई। शिक्षण योजना मै गतिविधि के साथ सतत् आंकलन योजना पर प्रकाश डाला, प्रभारी राजेंद्र चावला ने यह जानकारी दी।

विद्यार्थी 16 तक आवेदन कर सकेंगे

झालावाड़, (निसं)। अल्पसंख्यक मामलात् विभाग के निदेशालय के निर्देशानुसार अंबेडकर डी.बी.टी. वाउचर योजना के अंतर्गत अल्पसंख्यक विद्याथियों की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2022 से बढ़ाकर 16 जनवरी 2023 कर दी गई है। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमर सिंह मीना द्वारा दी गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बुधवार को बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश यात्रा को संबोधित किया। इस दौरान स्थानीय बालिकाओं ने मंच पर पूनिया का फूलमालाओं से स्वागत किया।

जनाक्रोश यात्रा का दूसरा चरण आरंभ, प्रदेशभर में जन सभाएं कर रही है भाजपा

प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया कई जन सभाएं संबोधित कर चुके हैं और अब अन्य वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम भी तय कर दिए गए हैं

- **22 से 24 दिसंबर के बीच गुलाब चंद कटारिया सहित अन्य प्रमुख नेता व विधायक जन सभाएं करेंगे ।**
- **पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुट के कई नेताओं को भी जिम्मेवारियां दी गई हैं।**

जयपुर, 21 दिसम्बर (का.सं.)। प्रदेश भाजपा की ओर से निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा के दूसरे चरण में जन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया कई इलाकों में जाकर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

इसी क्रम में दौरान प्रदेशाध्यक्ष पूनिया पाली, अजमेर, सीकर, झुंझुनू, नागौर, उदयपुर, भरतपुर, दौसा, जयपुर शहर, बांसवाड़ा सहित अनेक स्थानों पर जनसभाओं को सम्बोधित कर चुके हैं।

अब पार्टी ने कई वरिष्ठ नेताओं को जगह व तारीख आवंटित की है, जहां जाकर वो जनसभा को संबोधित करेंगे।

पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार 22 दिसंबर को उपनेता प्रतिपक्ष, गुलाबचंद कटारिया और एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया बागीदौरा में, विधायक कालीचरण सराफ और रामलाल शर्मा सीकर, विधायक ज्ञानचंद पारख और पूर्व मंत्री ओटाराम देवासी भीनमाल, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल अंता में मुख्य वक्ता के रूप में जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसी तरह 23 दिसंबर को उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल को नीमकाथाना, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा और पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी को पुष्कर, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच और पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित को सांचौर में जनसभा को संबोधित करने की जिम्मेवारी दी गई है।

चौबीस दिसंबर को प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल रायसिंहनगर, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया पीलीबंगा, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और सांसद सीपी जोशी बेगूं, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सांसद पीपी चौधरी भोपालगढ़, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड और पूर्व विधायक गोवर्धन वर्मा फतेहपुर और पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया सवाई माधोपुर के खंडार में जनसभा को संबोधित करेंगे।

'वर्ष 2023 में मेरे आदिवासी भाई बहनों का सम्मान दोगुना करके लौटाऊंगा'

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने कुशलगढ़ में विशाल आमसभा को संबोधित किया

- **डॉ.पूनिया ने राहुल गांधी से 17वां सवाल पूछा, कांग्रेस सरकार नॉन टीएसपी के लोगों का तबादला कब करेगी, यहां जो सीटें खाली होंगी, वो सीटें टीएसपी के नौजवानों से कब भरी जाएंगी।**
- **पूनिया ने कहा, आदिवासी भाई-बहन मेरे अपने हैं, इनका दुख-दर्द मेरा अपना है, इनके सम्मान, समृद्धि और खुशहाली के लिये भाजपा की सरकार 2023 में संकल्पित होकर काम करेगी।**

जयपुर/कुशलगढ़/बांसवाड़ा, 21 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज कुशलगढ़ और बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश सभाओं को संबोधित किया, जिनमें काफी संख्या में आमजन और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुये सतीश पूनिया ने कहा कि मैं तीन दिन से वागड़ क्षेत्र में हूं, जनजाति भाई-बहनों से संवाद कर रहा हूं, उनकी समस्यायें जान रहा हूं, जिनका हम भाजपा की सरकार बनने पर समाधान करेंगे। जिस तरह यहां के लोगों में कांग्रेस सरकार के प्रति आक्रोश दिख रहा है, उससे तय है कि 2023 में कांग्रेस की विदाई होगी और पूरी शान से भाजपा का सूरज उदय होगा। मैं 2023 में मेरे आदिवासी भाई बहिनों का सम्मान दो गुना करके लौटाऊंगा।

कुशलगढ़ में जनसभा संबोधित करते हुये पूनिया ने कहा कि कुशलगढ़ पहली बार आया हूं, बार-बार यहां आऊंगा कि क्योंकि एक तो यहां के लोग बहुत कुशल हैं तो दूसरा भीमा बाई ने इतना बढ़िया स्वागत कराया, मक्के की रोटी, उड़द की दाल, चने की भाजी खिलाई और पापड़ी भी खिलाई। आपके सामने जो बैठी हैं निर्मला जिला प्रमुख हैं और सूर्या प्रधान हैं, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोसिंह शेखावत द्वारा पंचायतीराज में महिलाओं को आरक्षण का प्रावधान करने से ये दोनों आदिवासी महिलाएं आपके बीच में सम्मान और स्वाभिमान के साथ बैठी हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों के उत्थान का काम पहली बार भाजपा की सरकार में भैरोंसिंह शेखावत ने किया और पूरे देश में आदिवासियों की उन्नति और बुनियादी सुविधाओं के साथ मुख्यधारा में लाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। आप सब लोगों की कुशलता और हालचाल जानने के लिए आया हूं और भाजपा की जो जन आक्रोश यात्रा है, उस यात्रा की सभा के लिए आया हूं। जनता में आक्रोश इसलिये है कांग्रेस सरकार के खिलाफ, कि बिजली नहीं, पानी नहीं, रोजगार नहीं, कर्जा माफी नहीं हुई, अपराध बढ़ रहे हैं, सड़कें टूटी हैं, तो इन सब मुद्दों को लेकर आप लोगों के बीच जागरुकता के लिये आया हूं।

पूनिया ने कहा कि आप सब लोगों के मन में भी भारी पीड़ा है कांग्रेस की जनविरोधी सरकार के खिलाफ। कांग्रेस के लोग झूठ कैसे बोलते हैं, यह आप सबको पता ही है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी से रोज एक सवाल पूछता हूं, जिससे कांग्रेस के लोग नाराज होते हैं, आज मैं आपके सामने 17वां सवाल पूछ रहा हूं। राहुल गांधी मैं इस जनता की अदालत से पूछना चाहता हूं कि नॉन टीएसपी के लोगों का तबादला उनके क्षेत्र में कब होगा और वो जो सीटें खाली होंगी उस जगह जनजाति के नौजवानों की भर्ती कब होगी?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इतिहास ऐसा पढ़ाया कि आजादी के आंदोलन में आदिवासी का कोई योगदान नहीं दिखाया, जो उनको पंसद आया वो ही इतिहास में लिखा और पढ़ाया, लेकिन मैं उन लोगों को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने मानगढ़ की पवित्र भूमि पर उस इतिहास को खोज निकाला, जब गोविंद गुरू के नेतृत्व में 1500 से ज्यादा आदिवासी बहनों और भाइयों ने अंग्रेजों की हुकूमत से मोर्चा लिया था।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा, एसटी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, हकरू भाई मइडा, जिला अध्यक्ष गोविंद सिंह राव, विधायक कैलाश मीणा, पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई, पूर्व मंत्री भवानी जोशी, धनसिंह रावत, एसटी मोर्चा प्रदेश मंत्री धमेन्द्र, जिला प्रभारी दिनेश भट्ट, प्रधान कानहिंग रावत, प्रधान बलवीर रावत, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपसिंह वसूनिया इत्यादि उपस्थित रहे।

स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हुई, 5 बच्चों की मौत

- **मणिपुर में हुई इस दुर्घटना में 40 अन्य बच्चे गम्भीर रूप से घायल हो गये।**
- **स्कूल बस बच्चों को स्टडी टूर कराने ले जा रही थी।**
- **घायल बच्चों का इलाज चल रहा है।**

इंफाल, 21 दिसंबर (वार्ता)। मणिपुर में बिष्णुपुर और खौपुम के बीच लीमाटक के पास बुधवार को एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पांच स्कूली बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गयी और 40 अन्य घायल हो गये।

राज्यपाल ला गणेशन, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, मंत्रियों, नागरिक समाजों और छात्रों के संगठनों ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। अधिकांश घायलों को इंफाल के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है।

राज्यपाल ने जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस) के मुर्दाघर का भी दौरा किया जहां शवों को रखा गया था और मृतक व्यक्तियों के परिवारों को सांत्वना दी। बीरेन सिंह बाद में अस्पताल पहुंचे और पीड़ितों से मिले। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दुर्घटना के बारे में जानकारी सोशल मीडिया पर अपलोड करने से सरकार को बचाव अभियान शुरू करने में मदद मिली।

बीरेन ने कहा कि हादसे में पांच छात्रों, एक वार्डन और एक शिक्षक की मौत हुई है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त हुई बस में 47 लोग सवार थे। इनमें थम्बलनू हायर सेकेंडरी स्कूल, येरिपोक टॉप चिंगथा के छात्र और कर्मचारी शामिल थे, जो खौपुम के वार्षिक अध्ययन दौरे के लिए गए थे।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ चर्चा के बाद मृत व्यक्तियों के परिजनों को पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है।

वाड्रा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुहार की है।

एनफोर्समेंट डायरैक्टोरेट की ओर से 'एडीशनल सॉलिसिटर जनरल' (ए.एस.जी.) राजदीपक रस्तोगी ने ई.सी.आई.आर. को रद्द करने की वाड्रा की याचिका के खिलाफ बहस की। उन्होंने अदालत को कहा कि इस मामले में वर्ष 2018 से ही रॉबर्ट वाड्रा के वकीलों ने रोक लगवा रखी है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि रॉबर्ट वाड्रा को ई.डी. की ओर से ई.सी.आई.आर. की कॉपी भी प्रस्तुत नहीं की गई है, परंतु वरिष्ठ अधिवक्ता आर.डी. रस्तोगी ने अदालत में कहा कि ई.सी.आई.आर. की कॉपी प्रस्तुत नहीं करने की वजह से इसे रद्द नहीं किया जा सकता।

उन्होंने बताया कि अदालत ने इस मामले में तीन दिन की बहस के बाद आज कहा है कि वह इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित कर रही है और 22 दिसम्बर को ही अपना फैसला सुनाएगी।

'जैसे चीन घुसा उसी तरह से हम महाराष्ट्र वाले कर्नाटक में घुसेंगे'

शिवसेना-उद्धव ठाकरे पार्टी के सांसद संजय राउत ने सीमा विवाद पर यह धमकी दी

- **महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर कर्नाटक के नेता गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करेंगे, तो महाराष्ट्र कायना बांध से कर्नाटक की जाने वाली जल आपूर्ति को बंद कर सकता है।**

मुंबई, 21 दिसम्बर। शिवसेना-यूटीबी सांसद संजय राउत ने बुधवार को कर्नाटक में घुसने की धमकी दी और कहा वह भी वैसे घुसेंगे जैसे चीन ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया है और इसके लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच विवादास्पद सीमा विवाद पर नए सिरे से वाकयुद्ध छिड़ गया है। उन्होंने कहा, जैसे चीन भारत में घुसा है, वैसे ही हम भी कर्नाटक में घुसेंगे। हमें इसके लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। हम इसे बातचीत के जरिए सुलझाने के इच्छुक हैं, लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री आग भड़का रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री भी सीमा विवाद के संबंध में कई बयान दे रहे हैं। महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर कर्नाटक के शीर्ष नेता दोनों राज्यों के बीच बढ़ते सीमा विवाद के बीच गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपनी बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

देसाई ने यहां विधान भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और अन्य नेता गैर-जिम्मेदार बयान देना बंद नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपनी बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

देसाई ने कहा कि अगर कर्नाटक सरकार के उस रुख की आलोचना की जिसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र को एक इंच भी जमीन नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोनों राज्यों के बीच चल रहे सीमा विवाद के बीच कर्नाटक के शीर्ष नेता गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपने बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

बेलगावी को लेकर दोनों राज्यों के बीच बढ़ते तनाव के बीच, कर्नाटक विधानमंडल ने राज्य के रुख को दोहराया है कि पड़ोसी राज्य को एक इंच जमीन भी नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा में सीमा विवाद पर बहस के दौरान खुद मुख्यमंत्री बोम्मई ने इस मुद्दे पर जोर देते हुए राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने का सुझाव दिया था।

शाहरुख खान दुनिया के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट में

- **एम्पायर मैगज़ीन ने अब तक के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट जारी की है।**

मुंबई, 21 दिसंबर (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान एम्पायर मैगजीन की लिस्ट में दुनिया भर के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट में शामिल किये गये हैं।

एम्पायर मैगजीन के अब तक के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट जारी की है, जिसमें भारत से एकमात्र शाहरुख ऐसे शख्स है, जिसका नाम इसमें शामिल हैं। एम्पायर मैगजीन की लिस्ट में हॉलीवुड के टॉम हैंक्स, डेंजल वाशिंगटन, मर्लिन मुनरो, रॉबर्ट डिनीरो, नेटली पोर्टमैन, हीथ लेजर, टॉम क्रूज, लियोनार्दो डिकैपरियो, सैमुअल एल जैक्सन, निकोलस केज, वियोला डेविस, केट, ब्लेंचेट, मारलोन ब्रांडो, टॉम हार्डी, मेरिल स्ट्रीप, क्रिश्चियन बेल, एंथनी हॉपकिंस, जूलियन मूर, चार्लीज थेरोन, अल पचीनो, पेनेलोप क्रूज, योकिन फीनिक्स, मोरगन फ्रीमैन आदि शामिल हैं।

जयमहल पैलेस होटल केस में राज परिवार को राहत

सिविल न्यायालय ने पूर्व राज परिवार के सेवक के वारिस रामसिंह का दावा खारिज कर दिया

- **अदालत ने कहा रामसिंह विवादित संपत्ति पर कब्जे के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका, इसलिए उनका दावा खारिज किया जाता है।**
- **मामला यह है कि, महाराजा मानसिंह ने विवादित जमीन पर दो कमरे रहने के लिए रामसिंह के पिता बख्श सिंह को दिए थे। बख्श सिंह के निधन के बाद यह सुविधा स्वमेव खत्म हो गयी थी, यही नहीं, मानसिंह ने अपने जीवन काल में ही यह जमीन जगत सिंह को सौंप दी थी।**

जयपुर, 21 दिसंबर (का.सं.)। सिविल न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने जय महल पैलेस होटल व नाटाणियों के बाग की कुछ जमीन पर मालिकाना हक के मामले में पूर्व राजपरिवार सदस्यों को राहत देते हुए उनके सेवकों के वारिसान का 37 साल पुराना दावा खारिज कर दिया। अदालत ने रामसिंह व अन्य के दावे खारिज करते हुए कहा, "विवादित संपत्ति पर कब्जे के संबंध में कोई दस्तावेज व फोटो पेश नहीं किए हैं। वादी ने ऐसा कोई गवाह भी पेश नहीं किया है, जो उनके पक्ष में संपत्ति के कब्जे को साबित करता हो। वादी रामसिंह ने भी अपने बयानों में माना है कि विवादित जमीन पर जय महल पैलेस होटल का कब्जा है। ऐसे में वे कोई राहत के हकदार नहीं है।"

मुकदमे से जुड़े अधिवक्ता रामजीलाल गुप्ता ने बताया कि, रामसिंह भाटी व अन्य ने पूर्व राजपरिवार के सदस्य भवानी सिंह, पद्मिनी कंवर, दीया कुमारी, पद्मनाभ सिंह सहित रामबाग होटल के मैनेजर विक्रम सिंह को पक्षकार बनाते हुए 1985 में कोर्ट में दावा किया था। दावे में कहा था कि भवानी सिंह के पूर्वजों ने उनके पिता बक्स सिंह को यह जमीन मालिकाना हक सहित दी थी। उनके पिता का निधन 1980 में हो चुका है और इस संपत्ति पर वो और उनके वारिस मालिक की हैसियत से रह रहे हैं। बिजली व जलदाय विभाग ने भी उनके पिता के नाम से बिजली व पानी का कनेक्शन दिया था, लेकिन अब प्रतिवादी उनके मकान व संपत्ति पर कब्जा कर उन्हें बेदखल करना चाहते हैं।

प्रतिवादियों ने उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का प्रयास भी किया। इसलिए प्रतिवादियों को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाए कि वे वादियों को संपत्ति के उपयोग, उपभोग से ना रोकें तथा जबरन प्रवेश व तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं करें।

जवाब में पूर्व राजपरिवार का कहना था कि, महाराजा मानसिंह ने विवादित संपत्ति पर दो कमरे ही रहने के लिए दिए थे और श्री बक्स सिंह के सेवाकाल से अवकाश लेने पर उनका जमीन पर लाइसेंस खत्म हो गया था। ऐसे में वादी जमीन पर अतिक्रमी की हैसियत से रह रहे थे। मानसिंह ने अपने जीवनकाल में ही यह जमीन अपने बेटे जगत सिंह को, 5 मई 1985 को दे दी थी और तब से वे ही इस जमीन पर काबिज रहे। बाद में जगतसिंह ने इस जमीन को ताज ग्रुप को लीज पर दिया था। ऐसे में वादियों का दावा खारिज किया जाए।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर पूर्व राजपरिवार व अन्य के खिलाफ दायर दावे को खारिज कर दिया।

साउथ इंडिया में और आक्रामक...

'मिलटरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूछा, "हमले रोके क्यों नहीं जा रहे। भारत में छापेमारी की चीन की हिम्मत कैसे हो रही है, और हमारा जवाब शुद्ध रुप से प्रतिक्रियास्वरुप होता है।"

उन्होंने कहा: "हम मात्र इतना जानना चाहते हैं कि हमारी तैयारी किस स्तर की है। चीनी पी.एल.ए. सेना से हुई 16 राउन्ड की वार्ताओं का हासिल क्या रहा? बाली में प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी से, अगर कुछ कहा भी था तो, क्या कहा था?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा: "हमारी मांग सिर्फ यह थी कि सदन में चर्चा हो। चीनी अतिक्रमण के बारे में जानकारी दी जाये, जिससे देश की जनता सूचित हो सके। अगर चर्चा नहीं होती है तथा केवल इकतरफा जवाब दिया जाता है तो वह किस काम का है?"

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ड्रग टैस्ट के लिये अपने खून के नमूने दें? दोनों नेताओं राज्य के मन्त्री के.टी. आर तथा भाजपा नेता बाँदी संजय-के बीच की इस उत्तेजक बयानबाजी ने राजनैतिक लड़ाई को एक बहुत ही निम्न स्तर की लड़ाई का रूप दे दिया है तथा इससे सार्वजनिक बयानों का स्तर गिर रहा है।

वहीं दक्षिण भारत में तेंलगाना के पड़ौसी राज्य तमिलनाडु में भी "टाइम मशीनों" को सत्तारूढ़ द्रमुक (डी.एम.के.) तथा विपक्षी भाजपा के बीच एक दिलचस्प वाकयुद्ध चल रहा है। द्रमुक ने भाजपा के प्रान्तीय अध्यक्ष के. अन्नामलाई, जो राजनीति में आने से पहले सरकारी सेवा में थे, से सवाल पूछा है कि वे घड़ी खरीदने के लिये 5 लाख रूपये कैसे खर्च कर सकते हैं? इसके प्रत्युत्तर में, भाजपा ने उतना ही तीखा प्रहार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तथा उनके बेटे, जो इस समय मन्त्री हैं, की महँगी घड़ियों को लेकर किया है।

जब अन्ना मलाई से घड़ियों के बारे में प्रश्न किया गया तो उन्होंने पत्रकारों से कहा बताते हैं कि वे घड़ी के बारे में पूरा विवरण देने को तैयार हैं, बशर्ते स्टालिन, उनके बेटे तथा दामाद यह स्पष्टीकरण दें कि वे अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग और इतनी महँगी घड़ियाँ पहनने में किस तरह सक्षम हुये। लेकिन चुनावाधीन कर्नाटक में, भाजपा जनता के गुस्से का निशाना है और बिगड़ती छवि से पीड़ित है। उसके वरिष्ठ नेता धमकी दे रहे हैं कि अगर वे मन्त्री नहीं बनाये गये तो वे सरकार गिरा देंगे। राजनैतिक रूप से प्रभावी कुरूबा जाति के प्रतिष्ठित भाजपा नेता के.एस. ईश्वरप्पा, जिन्हें एक ठेकेदार द्वारा की गई आत्महत्या के बाद मन्त्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था, को अब क्लीन चिट मिल गई है, लेकिन फिर भी उन्हें पुन: मन्त्री नहीं बनाया गया। इसको लेकर आक्रोशित इस वरिष्ठ विधायक ने माँग की है कि उन्हें पुन: मन्त्री बनाया जाये तथा वे खुली धमकियाँ दे रहे हैं।

ईश्वरप्पा को जिस ठेकेदार की आत्महत्या के फलस्वरूप इस्तीफा देना पड़ा था, उसने आत्महत्या से पहले यह आरोप लगाया था कि ईश्वरप्पा ने ठेकों के एवज में उससे 40 प्रतिशत कमीशन माँगा था। उसी समय से कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ "40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार" प्रचार शुरू कर दिया था। ये वरिष्ठ भाजपा विधायक विरोध स्वरूप बेलगावी में चल रहे विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुये हैं।

भाजपा नेतृत्व उनसे सम्पर्क करने तथा उन्हें शान्त और सन्तुष्ट करने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, पार्टी अपने विधायकों को रोके हुये हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नही चल रहा है तथा कुछ वरिष्ठ विधायक चुनाव लड़ने के लिये टिकट मिलने के सम्बन्ध में आशंकाएं व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा के लिये सौभाग्य की बात यह है कि इस समय कांग्रेस भी बँटी हुई है तथा उसके दो शीर्षस्थ नेता-पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धरमैया तथा के.पी.सी.सी. प्रमुख डी.के. शिवकुमार अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हैं।

माफी योजना के तहत जेल से रिहा होंगे 1031 कैदी

- **केन्द्रीय मंत्री अजय कुमार ने बताया कि, सजा पूरी होने के बावजूद भी ये कैदी जुर्माने की राशि अदा नहीं कर पाने के कारण जेलों में बंद हैं।**

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर (वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार ने आज राज्यसभा को बताया कि देश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या 78 फीसदी है।

कुमार ने बुधवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि जेल, उनका प्रबंधन तथा कैदियों का विषय राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। केन्द्र सरकार जेल प्रबंधन और कैदियों के बारे में समय समय पर परामर्श जारी करती है। उन्होंने कहा कि जहां तक विचाराधीन कैदियों का सवाल है इनके बारे में कोई भी निर्णय न्यायालय को ही लेना है।

यह पूछे जाने पर कि सरकार उन 1031 कैदियों के बारे में क्या कदम उठा रही है जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है लेकिन जुर्माने की राशि नहीं देने के कारण वे अभी भी जेलों में ही बंद हैं कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार ने एक माफी योजना शुरू की है जिसमें आगामी 26 जनवरी तथा आगामी 15 अगस्त को राज्यों की सिफारिश पर कैदियों की रिहायी की जायेगी। इसी योजना के तहत गत 15 अगस्त को भी कुछ कैदियों को रिहा किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस तरह के मामले में एक समिति का गठन करती है और फिर समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रस्ताव भेजती है जिनपर केन्द्र सरकार विचार करती है। उभयलिंगी कैदियों के बारे में जेलों में अलग व्यवस्था के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों वाले कैदियों को जेलों में विशेष परिस्थितियों में ही रखा जाता है।

चीन से आने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऐसी स्थिति में मेरा आपसे आग्रह है कि, चीन आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं पर अविलंब प्रतिबंध लगाये जाने की कार्रवाही करें, जिससे वहां के संक्रमित नागरिक हमारे देश में नहीं आ सकें, तथा देश में करोना जैसी महामारी के संक्रमण की स्थिति उत्पन्न नहीं हो और चीन के रास्ते अन्य देशों से आने वाले नागरिकों का पूर्व की भांति हवाई अड्डे पर करोना टैस्ट करवाया जाये। जिससे संक्रमित नागरिक हमारे देश में नहीं आ सकें।

पत्र में सराफ ने कहा, मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप स्थिति की गंभीरता को समझते हुए मेरे उक्त आग्रह को स्वीकार कर चीन से अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं पर अविलंब प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेकर अनुग्रहित करेंगे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI NEXA

NOW IS THE BEST TIME TO OWN A NEXA CAR.

Choose from the exciting range of NEXA cars.

CREATE. INSPIRE.

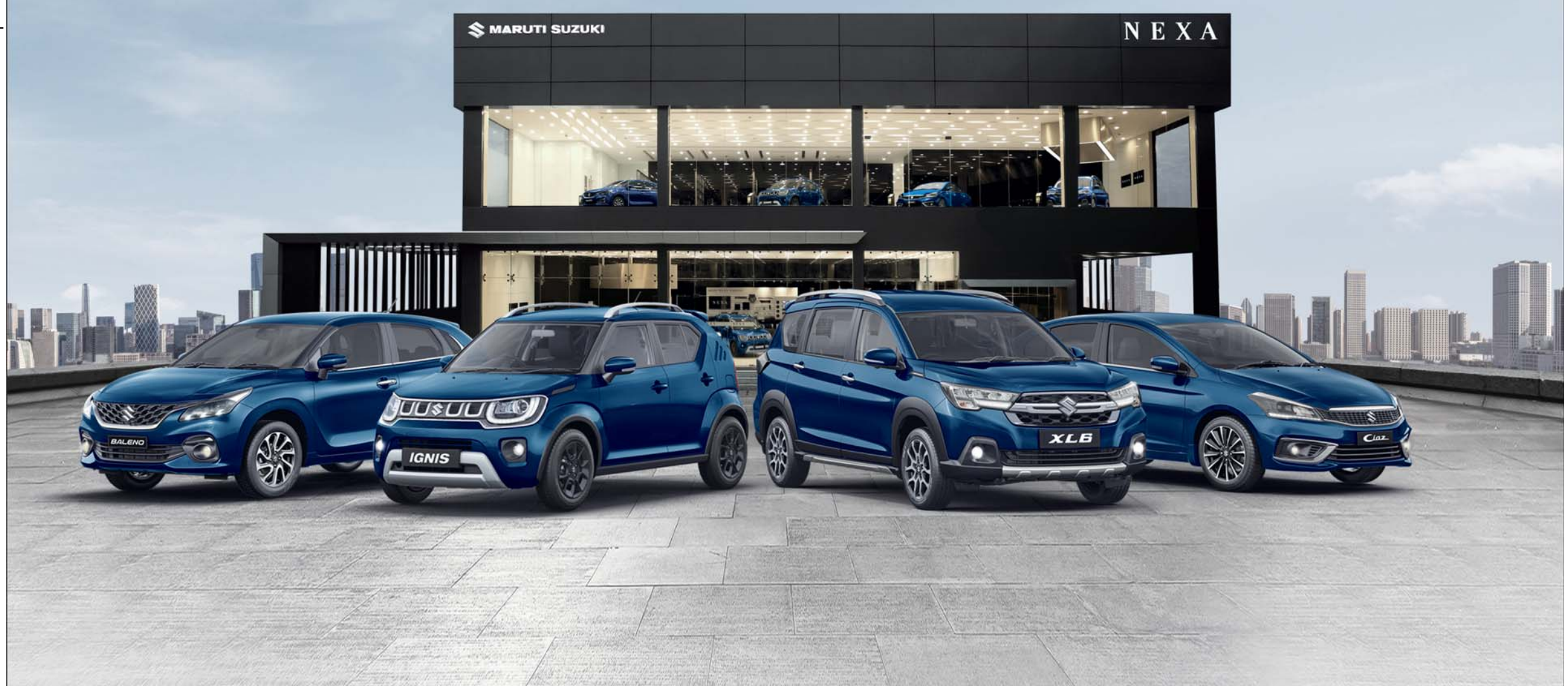

SCAN THE QR CODE TO EXPERIENCE THE WORLD OF NEXA.

SCAN THE QR CODE TO BOOK YOUR TEST DRIVE NOW.

NEXA 7 INSPIRING FUTURE

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING BENEFITS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018),
JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Offers shown above include consumer offer and exchange bonus. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st DEC'22 or till stocks last. Price applicable on the date of invoice shall be applicable. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities.